

– मार्क ट्वेन

Daily

HEPHOTON NEWS

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

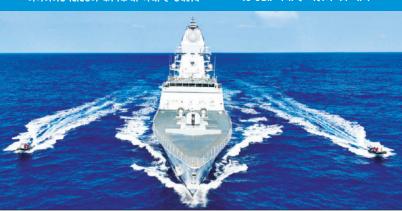


Mandanna Joins Snapchat...

नेवी को सौंपा गया प्रोजेक्ट 17ए का स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट 'उदयगिरि'

प्रोजेक्ट 17ए के तहत मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में बनाए जा रहे सात स्टील्थ फ्रिगेट में से दूसरा जहाज 'उदयगिरि' मंगलवार को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया। ये बहु-मिशन फ्रिगेट भारत के समुद्री हितों के क्षेत्र में पारंपरिक और अपारंपरिक दोनों तरह के खतरों से निपटते हुए ब्लू वॉटर वातावरण में संचालन करने में सक्षम हैं। उदयगिरि का नाम आंध्र प्रदेश राज्य में एक पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया है। बैटल क्रुजर स्टील्थ फीचर्स, उन्नत हथियारों और सेंसर एवं प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम से लैस है।

उन्नत हथियारों, सेंसर और अव्वल प्लेटफॉर्म \chi आंध्र प्रदेश में एक पर्वत श्रृंखला के नाम मैनेजमेंट सिस्टम को किया गया है डेवलप पर रखा गया है जहाज का नाम



समय में भारतीय नौसेना को सौंपा गया है। पी-17ए जहाजों में स्टेल्थ

तारीख से 37 महीने के रिकॉर्ड की विशेषताएं बढाई गई हैं और इनमें अत्याधुनिक हथियार और सेंसर लगे हैं, जो पी17 श्रेणी से

काफी बेहतर हैं। ये जहाज भारतीय नौसेना की युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो में इन-हाउस डिजाइन क्षमताओं में

मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

लिए तैयार करना है। सरकार का

कहना है कि नीति व्यापक परामर्श

के बाद तैयार की गई है, जिसमें

केंद्र सरकार, राज्य सरकारें, नीति

एक बड़ी छलांग का प्रतिनिधित्व करते हैं। उदयगिरि अपने पूर्ववर्ती

देश के समुद्री हितों के क्षेत्र में सभी

28 दिसंबर २०१७ को रखी

आईएनएस उदयगिरि के नाम पर किया गया है।

लिएंडर श्रेणी का यह फ्रिगेट 1976 और 2007 के

बीच भारतीय नौसेना के साथ सेवा में था। जहाज

की नींव 28 दिसंबर 2017 को रखी गई थी और

इसे 17 मई, 2022 को लॉन्च किया गया था। यह

जहाज प्रोजेक्ट-१७ अल्फा फ्रिगेटस (पी-१७ए) का हिस्सा है, जो गाइडेड-मिसाइल फ्रिगेटस का

एक वर्ग है, जिसका निर्माण वर्तमान में मझेगांव

डॉक शिपबिल्डर्स (एमडीएल) और गार्डन रीच

शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) में

नौसेना के लिए किया जा रहा है।

गई थी इसकी नींव

पकार के खतरों से निपटने में सक्षम

अवतार है। यह परियोजना सेवा में सक्रिय शिवालिक श्रेणी (प्रोजेक्ट 17) फ्रिगेट का अनुवर्ती है। उदयगिरि एमडीएल, मुंबई और जीआरएसई, कोलकाता में निमार्णाधीन सात पी17ए फ्रिगेट्स में से दूसरा है। प्रोजेक्ट 7ए जहाजों का पतवार प्रोजेक्ट 17 की तुलना में 4.54 फीसदी अधिक भू-सममितीय है। इन जहाजों में प्रोजेक्ट 17 वर्ग की तुलना में उन्नत चिकना और विशेषताओं के साथ एक उन्नत हथियार और सेंसर सूट लगाया गया है। जहाजों को संयुक्त डीजल या गैस मख्य प्रणोदन संयंत्रों के साथ कॉर्नफ गर किया गया है, जिसमें एक डीजल इंजन और गैस टरबाइन शामिल है।

विश्व खेलों में देश को शीर्ष पांच देशों में शामिल करने के लिए हुआ बड़ा निर्णय

राष्ट्रीय खेल नीति-2025 मंजूर

जीएसटी ने भारत के आर्थिक परिदृश्य को दिया नया आकार : पीएम मोदी

मंगलवार को वस्त और सेवा कर (जीएसटी) की आठवीं सालगिरह पर प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अप्रत्यक्ष कर शासन एक ऐतिहासिक सुधार के रूप में खड़ा है, जिसने भारत के आर्थिक परिदृश्य को फिर से आकार दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा, अनुपालन बोझ को कम करके इसने विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए व्यापार करने में आसानी में बहुत सुधार किया है। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर एक फोटो शेयर करते हुए लिखा, जीएसटी को लागू हुए आठ साल हो गए हैं। यह एक ऐतिहासिक सुधार के रूप में सामने आया है, जिसने भारत के आर्थिक परिदृश्य को नया आकार दिया है। अनुपालन बोझ को कम करके, इसने

सच के हक में...



विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए व्यापार करने में आसानी में बहुत सुधार किया है। उल्लेखनीय है कि देश में जीएसटी एक जुलाई, 2017 को लागू हुआ था, जिसने देश की कर प्रणाली को पूरी तरह बदल दिया है। वित्त वर्ष 2024-25 में जीएसटी कलेक्शन रिकॉर्ड 22.08 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तलना में 9.4

: 83,697.29 : 25,541.80

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के

अनुसार उदयगिरि को लॉन्चिंग की

9,200 चांदी 120.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

O BRIEF NEWS पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी बढ़ाई गई सुरक्षा

PATNA: पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस सिलसिले में हवाई अड्डा थाना में मामला दर्ज किया गया है। ई-मेल में लिखा है कि एयरपोर्ट पर बम रखा गया है और वह जल्द फटने वाला है। एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। हवाईअड्डे के अधिकारियों ने परे परिसर में व्यापक छानबीन की है। जांच के दौरान कोई संदिग्ध या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है। बीती देररात हवाई अड्डा थाना में केस दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस ई-मेल भेजने वाले का पता करने में जुटी है। इसमें तकनीकी और साइबर विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है।

हजारीबाग में घस लेते सीएचसी प्रभारी को एसीबी ने किया अरेस्ट

HAZARIBAG: मंगलवार को हजारीबाग के चौपारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सक डॉ. सतीश कुमार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। ममता वाहन सेवा के संचालक उज्ज्वल सिन्हा ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी। डॉक्टर ने उनके 25,000 रुपये के बकाया बिलों पर हस्ताक्षर करने के लिए 3,000 रुपये की मांग की थी। एसीबी ने पहले मामले की गोपनीय जांच की। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद टीम ने कार्रवाई की। डॉ.सतीश कुमार को उनके कार्यालय में रिश्वत लेते पकड़ा गया।

स्वास्थ्य ठीक रहेगा तो 2047 तक विकसित भारत का सपना होगा साकार : द्रौपदी मुर्मु

GORAKHPUR @ PTI मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि स्वास्थ्य ही संपदा है और स्वास्थ्य ठीक रहेगा तो ही 2047 तक विकसित भारत तथा विश्व गुरु बनने का सपना साकार होगा। राष्ट्रपति ने गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए बात कही। विश्वविद्यालय को 268 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिपरी भटहट में बने इस विश्वविद्यालय का लोकार्पण उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में

मुर्मु ने 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा, आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग को करने वालों के लिए योग उतना दफ्तर में काम करते हैं उनके प्रयास करना होगा।



 राष्ट्रपति ने गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का किया लोकार्पण

■ २६८ करोड़ की लागत से इस विश्वविद्यालय को किया गया है तैयार

लिए जरूरी है। उन्होंने योग और भारत की गौरवमयी परंपरा का जिक्र करते हुए कहा, हम भारत के पर्वजों, मनियों-ऋषियों की उत्तर पीढ़ी कहलाते हैं तो उनका मान रखना होगा। राष्ट्रपति ने कहा, आज भारत का डंका पूरे विश्व में बज रहा है, तो उसे आगे बढ़ाने के लिए सभी भारतवासियों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना है। स्वास्थ्य ही संपदा है और स्वास्थ्य ठीक रहेगा पहचान मिली है। कठिन परिश्रम तो 2047 तक विकसित भारत बनने का सपना साकार होगा आवश्यक नहीं है, लेकिन जो और इसके लिए आज से ही

भारत को महाशक्ति बनाना लक्ष्य

खेलों के जरिए राष्ट्रीय विकास व ओलिंपिक

2036 की तैयारी की दिशा में कारगर कदम की अध्यक्षता में व कैबिनेट की बैठक में केंद्र सरकार ने नई ■ सफल क्रियान्वयन के लिए राष्ट्रीय खेल नीति 2025 तैयार किया गया है एक ठोस (एनएसपी-2025) को मंजूरी दे रणनीतिक ढांचा दी। विश्व खेलों में भारत को शीर्ष पांच देशों में लाने के लिए कैबिनेट सशक्त प्रशासन के तहत ने खेलो भारत नीति को मंजुरी दी मजबूत कानूनी और नियामक है। इसका उद्देश्य भारत को संरचना विकसित करने की वैश्विक खेल महाशक्ति बनाना है। है योजना एनएसपी-2025 वर्ष 2001 की

 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस राष्ट्रीय खेल नीति का स्थान लेगी। डेटा एनालिटिक्स और इसका लक्ष्य नागरिकों को खेलों अनुसंधान के जरिए के माध्यम से सशक्त बनाना और खिलाड़ियों का होगा भारत को 2036 ओलंपिक सहित मूल्यांकन अंतरराष्टीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन और आयोजन के ■ खिलाड़ियों के प्रदर्शन की

> समीक्षा व योजनाओं की होगी सतत निगरानी प्रमख स्तंभों पर आधारित है।

आयोग, खेल संघ, खिलाड़ी और केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री विशेषज्ञ शामिल रहे। नीति पांच

में इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिए एक ठोस रणनीतिक ढांचा लिए मजबत काननी और बताया कि राष्ट्रीय खेल नीति-

वर्ष २००१ की राष्ट्रीय खेल नीति

का स्थान लेगी एनएसपी-२०२५

तैयार किया गया है। इसमें सशक्त नियामक ढांचा विकसित करने की

आधारित कीं गई है नई नीति

रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना पर खर्च

किए जाएंगे १.०७ लाख करोड़ रूपये

कैबिनेट ने 1.07 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ रोजगार से जुड़ी

निधि निकाय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) द्वारा संचालित

का सुजन करना है। इसका मकसद सभी क्षेत्रों में रोजगार सुजन, रोजगार

प्रोत्साहन योजना (ईएलआई) को भी मंजूरी दे दी। इसका मकसद सेवानिवृत्ति

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से अगले दो वर्ष में 3.5 करोड़ नौकरियों

क्षमता में वृद्धि और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देना है। इसमें विनुर्माण क्षेत्र पर

विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य दो साल में देश में ३.५ करोड़

से अधिक नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहन देना है। इसके अलावा यह योजना

इस योजना के तहत पहली बार नौकरी पर रखे गए कर्मचारियों को एक महीने

का वेतन (१५,००० रुपये तक) मिलेगा। वहीं नियोक्ताओं को अतिरिक्त रोजगार

र्डएलआई योजना की घोषणा केंद्रीय बजट 2024-25 में 4.1 करोड यवाओं के

लिए रोजगार, कौशल एवं अन्य अवसरों की सुविधा के लिए पांच योजनाओं के

सृजन के लिए दो साल की अवधि के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। साथ ही

र्विनिर्माण क्षेत्र के लिए लाभ को और दो साल के लिए बढ़ा दिया जाएगा।

पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को भी प्रोत्साहन देगी।

पैकेज के हिस्से के रूप में की गई थी।

तिमलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में हुआ भीषण विस्फोट, 7 लोगों की गई जान

मुख्य सचिव अलका तिवारी ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक, कहा-

संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर काम करे यूनिसेफ

PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड के सतत विकास लक्ष्यों को लेकर यनिसेफ द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा मंगलवार को मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में राज्य सरकार और यूनिसेफ के बीच बेहतर तालमेल, नियमित समीक्षा और डाटा साझाकरण को लेकर कई अहम निर्देश दिए गए। मख्य सचिव ने यनिसेफ को सुझाव दिया कि वह राज्य के सभी संबंधित विभागों के साथ निरंतर समन्वय बनाए और अपने कार्यों की लगातार समीक्षा का सिस्टम



तैयार करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी सतत विकास के लक्ष्य को लेकर काम कर रही है और

झारखंड के लिए तैयार करें ब्लू प्रिंट

मुख्य सचिव ने यूनिसेफ से अन्य राज्यों में हुए सफल सामाजिक कार्यों का अध्ययन कर झारखंड में उसे लाग करने का ब्लप्रिंट तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही योजना विभाग के साथ एक पोर्टल पर डाटा साझा करने का भी सुझाव दिया. ताकि डाटा मिसमैच की स्थिति से बचा जा सके। पोषण संबंधी चनौतियों और हाशिए पर खड़े समुदायों के सतत विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल देते हुए मुख्य सचिव ने हाथ की सफाई और जागरूकता अभियानों के लिए यूनिसेफ की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सरक्षा जैसे क्षेत्रों में भी व्यापक जन–जागरूकता जरूरी है। इस अवसर पर ु यूनिसेफ की झारखंड प्रमुख कानिनिका मित्रा और उनकी टीम ने बच्चों के कल्याण को लेकर किए जा रहे कार्यों की प्रस्तुति दी। बैठक में सचिव मस्त राम मीणा, मनोज कुमार, उमाशंकर सिंह, नेहा अरोड़ा सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

दोनों पक्षों के बीच डाटा का बेहतर

इस्तेमाल किया जा सकता है। हर पखवाड़े में होगी बैठक बैठक में यह निर्णय लिया गया कि यूनिसेफ और विभागीय अधिकारियों

के बीच हर पखवाड़े बैठक होगी, जिसमें फील्ड स्तर के अनुभव और योजनाओं की निगरानी से संबंधित

में चल रही गोकलस पटाखा फैक्ट्री में अचानक विस्फोट हो सत्तूर चिन्नाक्कमनपट्टी में हुए इस हादसे में सात लोगों की जान चली गई, जबिक कई अन्य कर्मचारी गंभीर पूर से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए शिवकाशी के

AGENCY CHENNAI: मंगलवार

को तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले

सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हादसे के बाद पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंच राहत और

भर्ती करवाया गया है। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि परिसर के आठ कमरे जलकर राख हो गए। वहां की जमीन बचाव का कार्य शुरू कर दिया। समतल हो गई। यह विस्फोट सुबह

हादसे में घायल कर्मचारियों को

शिवकाशी के सरकरी अस्पताल में

करीब साढ़े आठ बजे उस वक्त हुआ, जब मजदर पटाखे बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले रसायनों को मिला रहे थे, तभी अचानक विस्फोट हो गया और आस-पास की इमारत ढह गईं. जिससे कई लोग मलबे के नीचे फंस गए। पुलिस के अनुसार पटाखा फैक्ट्री का संचालन कमल कुमार करते हैं। नागपुर में पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) से उन्हें लाइसेंस मिला हुआ है। 50 से ज्यादा कमरों वाली इस युनिट में बड़ी संख्या में

कर्मचारी काम करते हैं।

सीएम ने डॉक्टर्स डे पर डॉक्टरों व स्वास्थ्य

RANCHI: मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने डॉक्टर्स डे के अवसर पर सभी डॉक्टर्स और स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर मंगलवार को लिखा है कि आपका समर्पण, मेहनत और सेवाभाव हमारे समाज को स्वस्थ, खुशहाल और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आपने हर विपदा, हर परिस्थिति में अपने ज्ञान और कौशल से लोगों की रक्षा की है, उन्हें स्वस्थ रखा है। आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार। वहीं दूसरे पोस्ट में मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, लोकसभा सांसद और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को उनके जन्मदिन

कर्मियों को दी बधाई

की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा की हालत गंभीर, अस्पताल में भर्ती

PHOTON NEWS RANCHI:

पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा की स्वास्थ्य स्थिति गंभीर बनी हुई है। उनके सिर में गहरी चोट आई है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए सिमडेगा से रांची रेफर किया गया है। फिलहाल रांची के क्यूरेस्टा अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।

इस संबंध में बताया गया कि विमल लकड़ा बीते कुछ दिनों से सिमडेगा स्थित अपने पैतृक गांव में ही थे। जहां खेत में वे अचानक गिरकर बेहोश हो गए। सिमडेगा सदर अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रांची रेफर कर दिया। बताया गया है कि उनके सिर में खून के थक्के जम गए हैं। फिलहाल रांची के क्यूरेस्टा



- सिमडेगा से रांची किया गया है रेफर
- गिरने के कारण सिर में जम गए हैं खून के थक्के

अस्पताल के आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है।

न्यु रिसर्च

झीलों के ताजा पानी में मौजूद वायरस का वैज्ञानिकों ने किया अध्ययन

विषाणु से निर्मित एंटीबायोटिक से होगा गंभीर बीमारियों का इलाज

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK

जीव वैज्ञानिकों के अनुसार, वायरस (विषाणु) सजीव और निर्जीव के बीच की कड़ी है। किसी जीवित कोशिका में पहुंचकर यह संजीव जैसा व्यवहार करने लगता है, जबिक कोशिका के बाहर यह एक मृत क्रिस्टल जैसा होता है। बैक्टीरिया (जीवाणु) एक सूक्ष्मजीवी पौधा है, जो मानव के लिए हानिकारक भी है और फायदेमंद भी। लेकिन, वायरस केवल हानिकारक है। यह मनुष्य सिहत अन्य जीवों में अनेक प्रकार के रोग पैदा करता है। इन रोगों के संक्रमण को रोकने के लिए एंटीबायोटिक दवा का इस्तेमाल किया जाता है। एंटीबायोटिक का निर्माण पौधे से होता है। हाल में हुए रिसर्च से यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि अब अत्यंत खतरनाक वायरस का प्रयोग एंटीबायोटिक के निर्माण में किया जा सकता है। मतलब साफ

वायरल ईकोलॉजी को मिलेगी नई दिशा, गंभीर संक्रमणों को रोकने का निकलेगा रास्ता

अमेरिका की एक झील से बीते ≫ २० सालों में लिए गए ४६५ नमुनों का किया गया विश्लेषण

मशीन लर्निंग टेक्नोलॉजी से ≫ वैज्ञानिकों ने जोड़े १३ लाख से अधिक वायरस जीनोम

मेटाजीनोमिक्स से पता चला ᠉ कि मौसम के हिसाब से तय 💨 को आकार देने में अहम चक्र में सक्रिय होते हैं विषाण्

पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य भूमिका निभाते हैं वायरस

पर्यावरण से अत्यंत गहरा संबंध

वैज्ञानिकों ने मशीन लर्निंग तकनीक से झीलों में मौजूद 13 लाख से अधिक वायरस जीनोम को दोबारा जोडों और उनका पर्यावरण से संबंध समझा। इसमें मेटाजीनोमिक्स नामक अत्याधुनिक तकनीक का भी प्रयोग किया गया, जिसकी सहायता से यह स्पष्ट हुआ कि वायरस मौसम और साल के हिसाब से एक तय चक्र में सक्रिय होते हैं। इनमें से कई वायरस हर साल दोबारा उभरते हैं, जिससे उनका व्यवहार काफी हद तक अनुमानित माना जा सकता है।



आईआईटी मद्रास के प्रो. कार्तिक अनंतरमण कहते हैं कि वायरस हमारे पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को आकार देने में अहम भूमिका निभाते हैं। यह शोध दशार्ता है कि वायरस का उपयोग कर झीलोंं में फैलने वाले हानिकारक शैवालों या विषैले बैक्टीरिया की बढत को रोका जा सकता है, जिससे पेयजल स्रोतों को संरक्षित किया जा सके। प्रो. कार्तिक ने जोर दिया कि कोरोना महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वायरसों की निगरानी और उनका समय रहते अध्ययन कितना जरूरी है। यह न केवल महामारी से बचाव में सहायक हो सकता है, बल्कि यह भी बता सकता है कि वायरस पर्यावरणीय सेहत को कैसे बनाए रखते हैं।

हानिकारक बैक्टीरिया को रोकने में सक्षम

है कि अब अब वायरस केवल बीमारी का जिरया भी बन सकता है। वैज्ञानिकों ने ताजे पानी की झीलों में मौजूद लाखों वायरस जीनोम

का गहराई से अध्ययन किया है, जिससे कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

भोगनाडीह हिंसा मामले में दो उपद्रवी किए गए गिरफ्तार

एक को बताया जा रहा पूर्व सीएम चम्पाई सोरेन का करीबी, कई दिनों से चल रही थी साजिश

PHOTON NEWS GODDA: साहिबगंज के भोगनाडीह में हल दिवस के दिन हुए हिंसक उपद्रव के मामले में गोड्डा पुलिस को बडी सफलता मिली है। पलिस ने इस घटना में शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गोड्डा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मुकेश कुमार ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में शामिल सुधीर कुमार जमशेदपुर का रहने वाला है, जबकि दूसरा गणेश मंडल है।

गणेश मंडल, सुधीर कुमार का चालक है। वह ओडिशा का निवासी है। दोनों आरोपियों को गोड्डा नगर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार

गिरफ्तार किए गए सुधीर कुमार



पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसपी मुकेश कुमार

• फोटोन न्यूज

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के करीबी के तौर पर हुई गतिविधियों में शामिल था। है। सुधीर कुमार भाजपा के गौरतलब है कि हुल दिवस के सोशल मीडिया विंग से भी जुड़ा दिन भोगनाडीह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का कार्यक्रम हुआ है। एसपी मुकेश कुमार ने बताया कि सुधीर कुमार बीते 20 प्रस्तावित था, लेकिन झामुमो जन से ही साहिबगंज में डेरा सुप्रीमो शिबू सोरेन की तबीयत

में साहिबगंज के एसपी से मिले इनपुट के आधार पर दोनों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस पूरे मामलें की गहराई से जांच कर रही है, ताकि घटना के पीछे की असली साजिश और इसमें शामिल अन्य लोगों का पता लगाया जा सके। एसपी ने यह भी बताया कि हूल दिवस कार्यक्रम में बड़े पैमाने पर व्यवधान डालने की योजना थी, लेकिन साहिबगंज पुलिस ने सुझबुझ से काम लेते हुए स्थिति को बिगड़ने से पहले ही नियंत्रित कर लिया। फिलहाल, गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस अन्य संभावित आरोपियों की तलाश में जुटी है।

जांच के क्रम में मिली जानकारी के आधार पर हुई गिरफ्तारी

एसपी मुकेश कुमार ने बताया कि इस पूरे मामले को लेकर वहां पहले ही

प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। उसी प्राथमिकी के अनुसंधान के सिलसिले

प्रशासनिक कार्यक्रम के समानांतर आयोजन करने पर हुआ था बवाल

पिछले सोमवार को भोगनाडीह में प्रशासनिक कार्यक्रम के साथ-साथ एक अलग कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर जमकर बवाल हुआ था। इस दौरान लाठीचार्ज और पथुराव की घटनाएं हुईं थीं और आदिवासी संगठनों की ओर से तीर-धनुष भी चलाए गए थे, जिसमें कई पुलिसकर्मी गंभीर रूप

खराब होने के कारण कार्यक्रम रामदास सोरेन मख्य अतिथि के में बदलाव किया गया था। रूप में कार्यक्रम में शामिल मुख्यमंत्री की जगह शिक्षा मंत्री



टोन्टो के जंगल में जब्त किए गए विस्फोटकों के साथ सुरक्षाबल के जवान

नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम जंगल से 18 हजार डेटोनेटर बरामद

गुप्त सूचना के आधार पर एसपी के नेतृत्व में हुई छापेमारी

PHOTON NEWS CHAIBASA: बरामद डेटोनेटरों को बम पश्चिमी सिंहभूम जिले में भाकपा- निरोधक दस्ते की मदद से मौके माओवादी की बड़ी साजिश को सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया है। सीआरपीएफ-60 बटालियन और चाईबासा पुलिस की संयुक्त टीम ने मंगलवार को टोन्टो थाना क्षेत्र अंतर्गत हुसिपी के पास जंगल से नक्सिलयों द्वारा छिपाकर रखे गए करीब 18,000 डेटोनेटर बरामद किया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से

पर ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए टोन्टो थाना क्षेत्र के हुसिपी गांव के पास गोला-बारूद छिपा कर रखे गए हैं। इस इनपुट के आधार पर इलाके में

शीर्ष नक्सली नेताओं की सक्रियता

नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछू अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन पिंदु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हासदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा सहित कई उग्रवादी दस्ते के साथ सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधियों की

BRIEF NEWS

लातेहार के जिम सेंटर का हुआ जीर्णोद्धार



LATEHAR: जिला खेल स्टेडियम के समीप भारत माता भवन स्थित जिम सेंटर का जीर्णोद्धार पूरा हो गया। इसका उद्घाटन चतरा के सांसद कालीचरण सिंह ने मंगलवार को किया। जिम अत्याधुनिक यंत्रों, उपकरणों और सुविधाओं से लैस है। कुशल ट्रेनर्स द्वारा जिम में ट्रेनिंग दी जाएगी। योगा, मेडिटेशन, कार्डियो की अलग से सुविधाएं इस जिम में की गई है। जिम में महिलाओं के लिए विशेष सुविधा की गई है। जिम का संचालन सुबह 5 बजे से 9.30 बजे एवं शाम 5 बजे से 8.30 बजे तक निर्धारित है। जिम में स्टूडेंट्स के लिए 500 रुपये, जबकि अन्य सभी के लिए 1000 रुपये प्रतिमाह फीस रखी गई है। इस अवसर पर लातेहार के विधायक प्रकाश राम, उपविकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, सांसद प्रतिनिधि अमलेश कुमार सिंह, लातेहार विधायक के प्रतिनिधि अनिल कुमार, अपर समाहर्ता रामा रविदास, जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत, लातेहार राजीव रंजन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, जिला खेल पदाधिकारी संजीत कुमार, जिला योजना पदाधिकारी समीर कुल्लू आदि भी उपस्थित थे।

कौन ऑपरेट कर रहा है केयू की कुलपति का ई-मेल, राजभवन से जांच के आदेश

पासवर्ड किसी के पास नहीं, फिर भी किसने किया है, जांच के लिए साइबर थाने में की शिकायत

PHOTON NEWS CHAIBASA: कोल्हान विश्वविद्यालय में कलपति के ई-मेल आईडी को लेकर हड़कंप मचा हुआ है। ई-मेल आईडी vckolhanuniver-

sity@gmail.com का पासवर्ड कुलपति डॉ. अंजिला गुप्ता को छोड़ विश्वविद्यालय के किसी भी अधिकारी अथवा कर्मचारी के पास नहीं है। बावजूद उनका ई-मेल आईडी कोई और ऑपरेट कर रहा है। विश्वविद्यालय की ओर से इस संबंध में चाईबासा स्थित साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। इसके बाद से वहां की साइबर पुलिस भी हरकत में आ गई है। विश्वविद्यालय की ओर से राजभवन को भी यह जानकारी दी गई है, जिसके बाद वहां से भी

वीसी के नाम से तीन आईडी, वर्तमान कुलपति के पास सिर्फ दो का पासवर्ड

केयू की कुलपति के नाम से तीन ईमेल आईडी बनी हैं। वर्तमान कुलपति के पास इनमें से दों का ही पासवर्ड है। विवि के प्रवक्ता डॉ. एक झा ने बताया कि राजभवन उच्च शिक्षा विभाग और रूसा से आने वाली सभी सूचनाएं तीनों आईडी पर पहुंचती हैं। कुलपति जिस आईडी का उपयोग करती हैं, उसके अलावा तीसरे ईमेल आईडी से भी विभागों से जानकारी ली जा रही थी। विवि ने अब इस पूरे मामले की जांच कराने का फैसला लिया है। जांच के बाद तीसरे ईमेल आईडी को बंद कराने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

केयू की अहम जानकारी लीक होने का डर

कोल्हान विवि का कहना है कि जिस प्रकार से बिना विवि के सूचना के इस ईमेल के जरिए अलग अलग विभागों से संपर्क किया गया और सूचनाएँ ली गयी हैं उससे डर है कि इसके जरिए संबंधित व्यक्ति ने विवि की कई कांफिडेंशियल जानकारी ली है। ऐसे में इसे संचालित करने वाले व्यक्ति का पता चलना जरूरी है। मिली जानकारी के अनुसार ऐसा पिछले कई वर्षों से किया जा रहा है। लेकिन इसकी जानकारी विवि को अब जाकर हुई है।

जांच व कार्रवाई का आदेश दिया गया है। कोल्हान विश्वविद्यालय से मिली जानकारी के अनुसार किसी

संस्थान के ई-मेल आईडी को अवैध रूप से ऑपरेट किया जाना अत्यंत ही संवेदनशील मामला है।

जानकारी नहीं है कि कौन व्यक्ति, कर्मचरारी अथवा अधिकारी कुलपति के ई-मेल आईडी को ऑपरेट कर रहा है। इस ई-मेल पर हर दिन राजभवन, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, रूसा आदि का पत्राचार हो रहा है। बताया गया है कि इस ई-मेल आईडी का वर्षों से उपयोग हो रहा है। किसी शिक्षक अथवा कर्मचारी के पास इस ई-मेल आईडी का पासवर्ड नहीं होने की स्थिति में इसे अज्ञात व्यक्ति द्वारा ऑपरेट किया जाना अत्यंत ही गंभीर मामला है। विश्वविद्यालय ने गोपनीयता एवं आवश्यक पत्राचार को ध्यान में रखते हुए साइबर पुलिस से यथाशीग्र उद्भेदन करने

लड़की को छेड़ना मनचले को पड गया भारी, पहुचा हवालात

नईसराय में एक मनचले को नाबालिक लड़की के साथ छेडखानी करना भारी पड गया। उसकी इन हरकतों से न सिर्फ स्थानीय लोगों ने उसकी पिटाई की बल्कि वह हवालात की हवा भी खाने खाने पहुंच गया। रामगढ़ थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि नईसराय में एक स्कूल की छात्रा के साथ उसके पड़ोस का ही युवक पियुष छेड़खानी करता था। स्कूल से आते-जाते वक्त अक्सर वह उसपर टिप्पणी करता था और छेड़छाड़ करता था। इस हरकत से परेशान होकर वह लड़की अपने घर में दुबक चुकी थी। पीयूष ने अपनी हरकतों को यहीं तक सीमित नहीं रखा। उसने किसी तरीके से लड़की के घर का नंबर जुगाड़ किया और उस पर लगातार फोन करने लगा।



लड़की और उसके परिजनों ने पीयुष को कई बार मना किया, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं था। सोमवार की रात पीयूष उस लड़की के घर के बाहर पहुंचा और उसे लगातार फोन करने इस हरकत को देखा तो आक्रोशित हो गए। लोगों ने उसे पकड़ा और इसकी खबर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उस युवक को हिरासत में लिया

रविंद्र साहू से 80 लाख ठगने वाली नंदिनी की मां गीता देवी गिरफ्तार

रामगढ़ थाना क्षेत्र के रांची रोड के व्यवसायी रविंद्र साह से 80 लाख ठगने वाली नंदिनी साहू की मां गीता देवी को रामगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ठगी की रकम गीता देवी के खाते में भी गई थी। उनके खाते में 4.50 लाख रुपए गए थे। उस रकम का फिक्स डिपॉजिट किया गया है। गीता देवी को पुलिस ने अभियुक्त बनाया और उन्हें जेल भेज दिया। साथ ही उस रकम को बैंक में ही फ्रीज कर दिया गया है। मंगलवार को रामगढ़ थाना प्रभारी पीके सिंह ने बताया कि ठगी के इस मामले में पलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। अनुसंधानकर्ता मंजेश कुमार के नेतृत्व में छापेमारी हो रही है। अभी तक इस मामले में

तीन अन्य अपराधी अनिकेत

वर्मा, सूरज कुमार साहू और



पुलिस गिरफ्त में गीता देवी

नंदिनी का परिवार सब्जी बेचने का करता है काम

पुलिस की तफ्तीश में अभी तक यह बात स्पष्ट हो गई है शातिर ढग गिरोह का संचालन करने वाली नींदेनी के कई रूप हैं उसका रा परिवार सब्जी बेचता है। यह धंधा तो सिर्फ एक दिखावे का था। मां गीता देवी, बेटा आकाश साहू, बेटी नंदिनी सब मिलकर प्रबुद्ध नागरिकों को लूटने का काम करते थे। रामगढ़ पुलिस ने जब नंदिनी के घर में छापेमारी की तो वह फरार थी। लेकिन उसकी मां गीता देवी पुलिस के हत्थे चढ़ गई। पूछताछ के दौरान गीता देवी ने पहले तो अपनी बेटी नेंदिनी को पुलिस के सामनें निर्दोष बताया। साथ ही कंप्यूटर पर काम करने वाली एक मामूली लड़की की तरह बताया। लेकिन जब पुलिस के सवाल शुरू हुए तो गीता देवी के भी होश उड़ गए।

ढगी के पैसे से खरीदी जमीन

मार्च महीने में लगभग 80 लाख रुपए सात अलग-अलग अकाउंट में रविंद्र साहू ने भेजे। अनिकेत वर्मा, सूरज साहू, नंदिनी साहू, आकाश साहू, शनि करमाली, कोमल कुमारी और एक अन्य व्यक्ति के खाते में पैसे ट्रांसफर हुए र्थ। नंदिनी साहू की मां गीता देवी भी इस लिस्ट में शामिल हो गई है. जिसके खाते में 4.5 लाख रुपए भेजे गए थे। मार्च महीने में पूरा ट्रांजेक्शन हुआ। इसके बाद नंदिनी ने धनबाद में ही १४ डिसमिल जमीन का रजिस्ट्री करवाया। इसके अलावा महिंद्रा एक्सयूवी ३००, बुलेट बाइक, ब्रांडेड जूते, कपड़े, महंगे जेवर तक इस खरीददारी में शामिल हैं।

अपनी पत्नी को तलाक दे चुका है अनिकेत

टग गिरोह का मुख्य सरगना के रूप में दो लोगों का किरदार पुलिस को भी समझ में आ गया है। अनिकेत वर्मा सबसे बड़ा मास्टरमाइंड है। उसकी निजी जिंदगी भी टग वाली प्रवृत्ति की ही है। उसने शादी की और फिर अपनी पत्नी को तलाक दे दिया। उसके मोबाइल डिटेल से जितने डाटा पुलिस को मिले हैं, उसे यह स्पष्ट है कि अनिकेत के कई लडिकयों के साथ संबंध हैं। हालांकि वह अभी तक पुलिस के गिरफ्त से बाहर है। नंदनी साहू के भी शौक कम नहीं है। वह भी ब्रांडेड कपड़े, महंगे जूते और हाई-फाई लाइफस्टाइल जीती है। जब उन दोनों की गिरफ्तारी होगी तो पलिस को उम्मीद है कि किसी फिल्मी कहानी की तरह ढगी की वारदात का पटाक्षेप होगा।

नंदिनी साहू फरार हैं। उन तीनों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में जल्द शुरू होगी इनडोर सेवा

DHANBAD: सपर स्पेशलिटी अस्पताल में इन्डोर सेवा भी जल्द शुरू की जाएगी। यहां अब मरीज भर्ती भी किए जाएंगे। इसे लेकर मंगलवार को मेडिकल कॉलेज प्रबंधन समिति की बैठक हुई, जिसमें मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसके चौरसिया, अस्पताल के अधीक्षक डॉ. डीके गिंदौरिया. नोडल पदाधिकारी डॉ . रवि भूषण, अस्पताल प्रबंधक डॉ. सीएस समन आदि शामिल थे। प्राचार्य ने बताया कि अस्पताल के लिए कार्डियोलॉजिस्ट की बहाली प्रक्रिया चल रही है। फिलहाल अस्पताल में न्यूरो सर्जन, गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट, ओंकोलॉजिस्ट प्लास्टिक सर्जन समेत अन्य ओपीडी की सेवा दे रहे हैं। बैठक में अस्पताल के मैनपावर पर भी चर्चा की गई। लगभग 100 टेविनशियन, पारा-मेडिकल कर्मी आदि की आवश्यकता है। जरूरत के हिसाब से फिलहाल आउटसोर्सिंग एजेंसी से इसकी पूर्ति की जाएगी। बताया गया कि मुख्यालय के निर्देश पर इसके लिए अलग से बहाली की जाएगी। यहां बता दें कि लगभग 167 अरब की लागत से सुपर स्पेशलिटी अस्पताल

का निर्माण कराया गया है।

गढ़वा को मिलेगी बाइपास की सौगात नितिन गडकरी कल करेंगे उद्घाटन

PHOTON NEWS PALAMU: गढ़वा जिले के लोगों के लिए एक बड़ी ख़ुशखबरी है। जिले में बहु पतीक्षित बाइपास जिसके निर्माण का इंतजार पिछले 15 सालों से किया जा रहा था, अब बनकर तैयार हो चुका है। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी आगामी 3 जुलाई को गढ़वा क्षेत्र में आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान इस नवनिर्मित गढवा बाइपास सडक केंद्रीय मंत्री के आगमन की जानकारी पलाम के सांसद विष्ण

का विधिवत शुभारंभ करेंगे। दयाल राम ने मंगलवार को अपने डालटनगंज स्थित आवास पर पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि गढ़वा के लोग पिछले 15 सालों से इस बाइपास की मांग कर रहे थे, और अब केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी उन्हें यह सौगात देने जा



रहे हैं। इस बाइपास के बनने से गढ़वा में व्यापार और लोगों के आवागमन में काफी सह्लियत होगी। इसके साथ ही, पडोसी राज्य छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश के लोगों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। यह नवनिर्मित गढ़वा बाइपास लगभग 49 किलोमीटर लंबा है। इसके बन जाने से गढवा शहर में लगने वाली भीषण जाम की समस्या से लोगों को आखिरकार निजात मिल जाएगी। सांसद विष्णु दयाल राम ने केंद्रीय

तैयारियां पूरी होने की जानकारी दी और लोगों से इस ऐतिहासिक अवसर पर कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। सांसद ने इस दौरान रांची-वाराणसी नेशनल हाईवे के फोरलेन निर्माण कार्य की प्रगति के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लगभग 8000 करोड़ रुपये की लागत से इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कार्य पूरा किया जाना है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग पहले नेशनल हाईवे 75

दो महिलाओं ने की खुदकुशी पुलिस ने चिता से शवों को उटाया

PALAMU: जिले में मंगलवार को दो महिलाओं ने फंद से झुलकर खुदकुशी कर ली। दोनों महिलाओं के परिजनों ने शवों का बगैर पोस्टमार्टम किए दाह-संस्कार कर रहे थे, लेकिन मौके पर पुलिस ने दोनों शवों को चिता से उठाकर कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पहली घटना जिले के पांडू और दूसरी सतबरवा थाना क्षेत्र में हुई। पांडू थाना क्षेत्र के महुगावा में सोनी कुमारी पित एकवन सोनी (27) ने अपने ही दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी विगेश कुमार राय दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लिया और घटना की पूरी जानकारी ली। थाना प्रभारी ने बताया कि शव के पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है। अग्रिम कारवाई की जा रही है। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। वहीं सतबरवा थाना क्षेत्र के सलैया गांव में एक महिला का शव संदेहास्पद स्थिति में फंदे से झुलता हुआ पाया गया। परिजन और ग्रामीण महिला का दाह संस्कार करने के लिए औरंगा नदी के तट पर ले जा रहे थे। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिलने पर दाह संस्कार करने से रोक दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए आरएमसीएच मेदिनीनगर से कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। सतबरवा थाना के सअनि अमित उपाध्याय ने बताया कि सलैया गांव की तीन बच्चों की मां शीलवंती देवी (30) पति आनंद भुइयां का शव उसके घर में फांसी के फंदें पर झुलता हुआ पाया गया। परिजनों पुलिस को सूचना दिए बिना जल्दीबाजी में शव का दाह संस्कार कराना चाह रहे थे। घटना किस कारण से हुई इसकी छानबीन करने में पुलिस जुटी हुई है। मृतका का पित ट्रैक्टर चला कर परिवार का भरण पोषण करता है।

हर दुकान में शराब की जांच के लिए तैनात किए गए हैं एक-एक मजिस्ट्रेट

१०९ दुकानों में स्टॉक का वेरिफिकेशन शुरू

MUJTABA RIZVI @ JSR: जमशेदपुर शहर समेत पूर्वी सिंहभूम के ग्रामीण इलाकों में भी शराब की सभी 109 दुकानें खुली हुई हैं। इन दुकानों के कर्मचारी अब झारखंड स्टेट बेवरेजेस लिमिटेड (जेएसबीसीएल) के कर्मचारी माने जाएंगे। इन सभी दुकानों का हैंडओवर-टेकओवर प्रॉसेस जेएसबीसीएल ने पहले ही पूरा कर लिया गया है। अब इन दुकानों का स्टॉक वेरिफिकेशन हो रहा है। हर दुकान में देखा जा रहा है कि वहां शराब का कितना स्टॉक भेजा कितना बिका है। कितना स्टॉक

दुकान में स्टॉक या रकम को

बचा है। कितना कैश है और कितनी रकम जमा की गई है। स्टॉक वेरिफिकेशन का काम पांच जुलाई तक हर हाल में पूरा कर लेना है। इस जांच में अगर किसी



जिले में शराब की कुल 110 दुकानें हैं। इनमें से 60 कंपोजिट (देसी व विदेशी शराब की दुकान), सात देसी और 43 विदेशी शराब की दुकानें हैं। बहरागोड़ा की एक शराब दुकान जनता के विरोध के चलते बंद कर दी गई थी। वर्तमान में जिले में शराब की कुल 109 दुकानें बची हैं। हर दुकान में स्टॉक वेरिफिकेशन करने के लिए अलग-अलग मंजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। प्रत्येक मंजिस्ट्रेट को

एक्साइज ऑफिसर के साथ ही दुकान पर स्टॉक वेरिफिकेशन के लिए जाना है। प्रशासन ने ऐसा इसलिए किया है ताकि मजिस्ट्रेट पांच जुलाई से पहले आसानी से सभी दुकानों का स्टॉक वेरिफिकेशन कर लें। की जाएगी। कार्रवाई का खाका

लेकर गड़बड़ी पाई जाती है तो वहां के कर्मचारियों पर कार्रवाई तैयार कर लिया गया है।

मजिस्ट्रेटों की अनुपलब्धता के चलते जांच में आ रही बाधा

एक मजिस्ट्रेट को एक ही दुकान का वेरिफिकेशन करना है। मगर, वेरिफिकेशन के काम में दिक्कत आ रही है। अधिकतर मजिस्ट्रेट बीडीओ से जुड़े हुए हैं और वह उनकी अनुमति के बिना नहीं निकल पा रहे हैं। सूत्रों की मानें तो मंगलवार को कुछ मजिस्ट्रेट ही स्टॉक वेरिफिकेशन के लिए जा पाए। गोलमुरी और घाघीडीह में शराब दुकानों में वेरिफिकेशन कर लिया गया है। यही नहीं, दोपहर बाद डीसी ऑफिस में उत्पाद विभाग के अधिकारियों की मीटिंग हो जाने से भी वेरिफिकेशन का काम बाधित हुआ।

बंद होंगी असंतोषनक प्रदर्शन वाली दुकानें

उत्पाद विभाग के अधिकारियों का कहना है कि स्टॉक वेरिफिकेशन के बाद जिन दुकानों में अनियमितता पाई जाएगी उन्हें फेलहाल बंद किया जाएगा। ऐसी दुकानें कार्रवाई की जद में आएंगी। मगर, जिन दुकानों में स्टॉक और रकम का मिलान हो जाएगा और इनमें कोई दिक्कत नहीं होगी। वह दुकानें खुली रहेंगी।

रामगढ़ में डंपर की टक्कर से कार सवार बुजुर्ग महिला की मौत

RAMGARH: रामगढ़-बोकारो राष्ट्रीय राजमार्ग 23 पर कोठार ओवर ब्रिज के समीप मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर ने एक अल्टो कार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार में सवार 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला शालू देवी की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में कार सवार दो अन्य लोग, अनुज करमाली और रामदेव लोहरा, भी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

हादसे के शिकार हुए सभी लोग रामगढ़ थाना क्षेत्र के कैथा गांव के रहने वाले थे। वे अपनी कार से रजरप्पा की ओर जा रहे थे। तभी कोठार ओवर ब्रिज के पास विपरीत दिशा से आ रहे डंपर ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें



घटनास्थल पर क्षतिग्रस्त कार

सवार बुजुर्ग महिला की जान चली गई। इस दर्दनाक घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डंपर चालक के खिलाफ मंगलवार को रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली

पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। प्रथम दृष्टया तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाना हादसे का कारण माना जा रहा है। घायल अनुज करमाली और रामदेव लोहरा का अस्पताल में इलाज चल रहा है।















O BRIEF NEWS बहु बाजार में महिला से पैसे लुटकर भागने वाला युवक गिरफ्तार

RANCHI: लोअर बाजार थाना क्षेत्र में महिला से 50 हजार रुपये लट की घटना का पलिस ने खुलासा कर लिया है। पुलिस ने सीसीटीवी फटेज से पहचान करते हए 19 वर्षीय यश नायक को गिरफ्तार किया है। यश न्यू अंबेडकर नगर भट्टी टोली चुटिया का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से लूट के 40,850 रुपये, मोबाइल और घटना के समय पहने गए कपड़े भी बरामद कर लिए हैं। डीआईजी-सह-एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि घटना 19 जून को उस समय हुई जब संगीता कुमारी, पत्नी रतन कुमार महतो बैंक ऑफ इंडिया बहु बाजार शाखा से 50 हजार रुपये निकालकर अपने घर गणपत नगर घुमसा टोली चुटिया लौट रही थीं। करीब 11:30 बजे दिन में जैसे ही वह अपने घर के पास पहुंचीं, तभी तेज बारिश के बीच आरोपी उनके हाथ से बैग छीनकर भाग गया। बारिश के कारण पीड़िता आरोपी का चेहरा ठीक से नहीं देख पाई। इसके बाद मामला दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की।

खेल घोटाले के आरोपी पीसी मिश्रा नहीं जा सकेंगे युरोप, याचिका खारिज

RANCHI: रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट ने 34वें राष्ट्रीय खेल घोटाले के आरोपित पूर्व खेल निदेशक पीसी मिश्रा की पासपोर्ट रिलीज करने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट के पासपोर्ट रिलीज नहीं करने का आदेश पारित होने के बाद अब पीसी मिश्रा विदेश यात्रा नहीं कर पाएंगे। पीसी मिश्रा ने यूरोप समेत अन्य देशों के भ्रमण के लिए पासपोर्ट रिलीज करने का आग्रह किया था। लेकिन कोर्ट ने उनके आग्रह को स्वीकार

देशवासियों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है डिजिटल डंडिया : बाबलाल

RANCHI: भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबुलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दुरदर्शिता के परिणामस्वरूप आज डिजिटल इंडिया 140 करोड देशवासियों की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन चका है। मरांडी ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि बैंकिंग, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक और क्रांतिकारी प्रभाव देखने को मिल रहा है। सस्ती और सहज इंटरनेट सविधा ने आम जन तक अनेक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की है। भारतनेट योजनाः 5.85 लाख गांवों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा गया। कॉमन सर्विस सेंटर्स के तहत 5.7 लाख से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर्स गांवों में आधार अपडेट, बिल भगतान, प्रमाण पत्र और सरकारी योजनाओं की सेवाएं दे रहे। जनधन योजना के तहत 50 करोड से अधिक बैंक खातों ने सबसे वंचित तबकों को वित्तीय सिस्टम से जोडा गया। डीबीटी के जरिये 34 लाख करोड़ से ज्यादा की राशि सीधे लाभार्थियों









जर्जर छत्त और सीढ़ियां हादसे को दे रहीं दावत, सीलिंग गिरने से बाल-बाल बचे मरीज और परिजन

रिम्स में मरीजों के सिर पर झूल रही आफत

अस्पताल रिम्स की स्थिति दिनों दिन बद से बदतर होती जा रही है। करोड़ों रुपये के फंड और प्रशासनिक दावों के बावजद अस्पताल की इमारतें जर्जर होती जा रही हैं। इससे मरीजों उनके परिजनों और स्वास्थ्यकर्मियों की जान खतरे में पड गई है। सबसे चिंताजनक स्थिति आईसीय की है, जहां छत से पानी टपक रहा है। ऐसे

VIVEK SHARMA RANCHI

राज्य के सबसे बड़े सरकारी

में गंभीर मरीजों का इलाज करना डॉक्टरों और नर्सों के लिए भी किसी चुनौती से कम नहीं है। बारिश के मौसम में रिम्स की असल तस्वीर सामने आती है। आईसीयू जैसे संवेदनशील और तकनीकी रूप से सुसज्जित वार्ड में छत से लगातार पानी टपक रहा है। इससे न केवल मरीजों के संक्रमण का खतरा बढ़ गया है, बल्कि बिजली के उपकरणों में शॉर्ट सर्किट जैसी घटनाएं भी हो सकती हैं। कई बार मरीजों और तीमारदारों को स्ट्रेचर समेत खिसकाकर दुसरी जगह

शिफ्ट करना पड़ रहा है, ताकि वे

करोड़ों रूपये फंड के बावजूद राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल की हो रही दुर्दशा रिपेयरिंग के नाम पर खानापूर्ति

अस्पताल प्रबंधन की ओर से इनडोर भवन की रिपेयिरंग के नाम पर कई जगहों पर काम चल रहे है। लेकिन प्रापर रिपेयरिंग नहीं होने से हमेशा खतरा मंडरा रहा है। हर साल बारिश के मौसम में यह स्थिति सामने आती है, लेकिन समय रहते स्थायी समाधान नहीं किया जाता। मरम्मत के नाम पर केवल टेंडर निकाले जाते हैं और लीपापोती कर दी जाती है। वहीं, डॉक्टर और स्टाफ भी अब खुलकर कहने लगे हैं कि इस स्थिति में मरीजों का इलाज करना खतरे से खाली नहीं।

बुनियादी संरचना की स्थिति दयनीय

रिम्स को हर साल सरकार की ओर से करोड़ों रुपये का फंड दिया जाता है। इसके अलावा केंद्र की योजनाओं के तहत भी अनुदान प्राप्त होता है। बावजूद इसके अस्पताल की बुनियादी संरचना दयनीय बनी हुई है। सवाल यह उठता है कि आखिर यह फंड कहां जा रहा है और जिम्मेदार अधिकारी इस ओर गंभीर क्यों नहीं हैं? जबकि आंकडों पर नजर डाले तो रिम्स ने इस साल करोड़ों रुपये विभाग को इस्तेमाल नहीं किए जाने के करने वापस कर दिया है।

लैब में भी जल-जमाव

हॉस्पिटल के इनडोर को छोड दे तो लैब वाली बिल्डिंग की हालत भी ठीक नहीं है। वहां पर सीलिंग गिर रही है। वहीं सिपेज से दीवारें खराब हो गई है। वहीं लैब में भी इंफेक्शन का खतरा मंडरा रहा है। वहीं काम करने वाले स्टाफ अपनी जान जोखिम में डालकर काम कर रहे है। हर समय उन्हें इस बात की चिंता सताती रहती है कि कोई हादसा न हो जाए।

लौट रहे इलाज को आने वाले मरीज

कई मरीज सुबह से लाइन में लग जा रहे हैं, लेकिन पर्ची बनने में ही देर हो जा रही है। इससे बुजुर्ग और दूरदराज से आने वाले मरीजों को खासतौर पर परेशानी झेलनी पड़ रही है। कुछ मरीज इलाज कराए बिना ही वापस लौटने को मजबूर हो रहे हैं। स्टाफ का कहना है कि तकनीकी टीम समस्या को दूर करने में लगी है, जल्द ही सर्वर ठीक कर दिया जाएगा। रिम्स में पहले भी सर्वर फेल की समस्या आ चुकी है, लेकिन इस बार समस्या लंबी खिंचने से मरीजों की तकलीफ बढ़ गई है। मरीजों ने जल्द समाधान की मांग की है ताकि इलाज में देरी न हो।

जगह टूटी हुई है। हाल ही में एक



रिम्स में सर्वर फेल, मरीज रहे परेशान

रिम्स में पिछले चार दिनों से सर्वर फेल रहने के कारण मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक के ओपीडी काउंटर पर पर्ची बनवाने से लेकर डॉक्टर से दिखाने तक लंबी लाइन में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। रोजाना 2 हजार से अधिक मरीज ओपीडी में इलाज कराने आते हैं, लेकिन सर्वर बंद रहने से पर्ची बनाने में देरी हो रही है। प्रबंधन भी इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था नहीं कर रहा है। ऐसे में मरीज घंटों लाइन में अपनी बारी का इंतजार कर रहे है।

और सीढ़ियों की रेलिंग भी कई मरीज के परिजन के ऊपर छत का किसी बड़े हादसे की चेतावनी है, एक हिस्सा गिरते-गिरते बचा। यह

पत्नी से अवैध संबंध के शक में चचेरे माई की कर दी हत्या, आरोपी गिरफ्तार

राजधानी रांची से सटे नरकोपी थाना क्षेत्र के करकरी गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। अवैध संबंध के शक में एक व्यक्ति ने अपने ही चचेरे भाई की निर्मम हत्या कर दी। इस घटना ने परे गांव में सनसनी फैला दी है। घटना 27 जून की रात की है, जब 41 वर्षीय सोमनाथ उरांव की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में नरकोपी थाना में कांड 28 जून को प्राथमिकी दर्ज की गई। सोमनाथ की मां द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर यह मामला दर्ज हुआ और पुलिस ने त्वरित जांच शुरू की। गिरफ्तारी के बाद झरिया ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस को उसके पास से हत्या में प्रयक्त टांगी और खून से सने कपड़े (शर्ट और जिन्स पैंट) भी बरामद हुआ है। पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। क्या है पुरा मामला : जांच के क्रम में सामने आया कि हत्या मतक के चचेरे भाई झरिया उरांव ने की थी। उसे संदेह था कि उसकी पत्नी और सोमनाथ के बीच अवैध संबंध है। इसी शक ने उसे



भीगने से बच सके। कुछ मरीज तो

बाल-बाल बचे हैं जब छत का

सीढ़ियों पर बच कर

वार्ड में जाती महिला

इतना अंधा कर दिया कि उसने रिश्ते की सारी हदें पार कर दीं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, झरिया ने टांगी से सोमनाथ के चेहरे, सिर, कान और पेट पर कई बार वार कर उसकी हत्या कर दी।

घटना के बाद फरार था आरोपी हत्या के बाद झरिया उरांव फरार हो गया और लगातार पुलिस की पकड़ से बचने के लिए स्थान बदलता रहा। लेकिन डीआईजी सह एसएसपी रांची चंदन कमार सिन्हा के निर्देश पर बेड़ो पुलिस उपाधीक्षक के नेतत्व में विशेष छापामारी टीम गठित की गई। टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए केवल 72 घंटे के भीतर आरोपी को धर दबोचा।

रक्तदान शिविर में ८१ यनिट ब्लड संग्रह

प्लास्टर गिरा है। रिम्स के इनडोर

विभाग की सीढ़ियां और छत्त

RANCHI: रोटरी क्लब ऑफ रांची, एनएसएस यनिट और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। डीएसपीएमय कैंटीन परिसर. मोरहाबादी में आयोजित इस शिविर में कुल 81 युनिट रक्त एकत्र किया गया। शिविर का उद्घाटन क्लब के वरिष्ठत पूर्व अध्यक्ष भंडारी लाल एवं पूर्व डिस्टिक्ट गवर्नर रोटेरियन अनिल

खस्ताहाल हैं। जगह-जगह प्लास्टर

उखड़ा हुआ है, छतों में दरारें हैं

उपायुक्त मंजुनाथ भजन्त्री ने मंगलवार को समाहरणालय ब्लॉक-ए में स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सूचना एवं जन संपर्क कार्यालय, विशिष्ट अनभाजन कार्यालय. आपूर्ति कार्यालय, भू-अर्जन कार्यालय और जिला कल्याण कार्यालय, स्थापना कार्यालय, जिला नीलाम पत्र कार्यालय, अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था कार्यालय का निरीक्षण



किया। इस दौरान अपर समाहर्ता रामनारायण सिंह, जिला नजारत उप समाहर्ता डॉ सुदेश कुमार, जिला जन संपर्क पदाधिकारी उर्वशी पाण्डेय उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयों की कार्यप्रणाली. कर्मचारियों की उपस्थिति, कार्य-निष्पादन की स्थिति और परिसर की साफ-सफाई को देखा और

कई जरूरी निर्देश दिया। मौके पर उपायुक्तफ ने परिसर को स्वच्छ, व्यवस्थित और नागरिकों के लिए सगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया। मौके पर उन्होंने सभी कर्मचारियों को समय पर कार्यालय आने और जिला प्रशासन की ओर से दिए गए पहचान पत्र को अनिवार्य रूप से धारण करने का निर्देश दिया। यह कदम कार्यालयी अनुशासन को बढ़ावा देने और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

सीएस से मिला मारवाड़ी युवा मच का प्रांतानाधमडल

सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

मारवाड़ी युवा मंच प्रतिनिधिमंडल ने राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी से झारखंड प्रवास के दौरान मंगलवार को शिष्टाचार भेंट की। बताया गया कि मलाकात का उद्देश्य मंच की ओर से दिल्ली में निमार्णाधीन युवा भवन की प्रगति की जानकारी देना। तथा जनहितकारी गतिविधियों और आगामी योजनाओं पर संवाद स्थापित करना था। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश एम जैन ने

अतिक्रमण व निर्माण सामग्री

मुख्य सड़कों और गलियों से अतिक्रमण हटाने का

अभियान प्रतिदिन चलाया जाएगा। सड़कों पर पड़ी

निर्माण सामग्री को जब्त करने के आदेश दिए गए

हैं। साथ ही निगम की भिम चिन्हित कर अतिक्रमण

मुक्त करने की योजना तैयार की जाएगी। इसके

अलावा सभी पार्कों की सफाई और ग्रास कटिंग

मुनिश्चित करने को कहा गया। बिरसा मुंडा बस

सफाई तथा वर्षों से खड़े कंडम वाहनों को हटाने की

कार्रवाई की जाएगी। निगम ने नागरिकों से अपील

की है कि वे नालियों में कुडा या प्लास्टिक न डालें

टोल फ्री नंबर 1800-570-1235 पर दें।

और किसी भी समस्या की सुचना स्मार्ट रांची ऐप या

टॅमिनल और आईटीआई बस स्टैंड में नियमित

पर होगी कार्रवार्ड



बताया की पारसनाथ प्रवास के दौरान झारखंड प्रांतीय की अगुवाई में मुलाकात कर राज्यहित में बातों को रखा गया है। अध्यक्ष ने बताया कि मुख्य सचिव को मंच की राष्ट्रव्यापी सामाजिक, रचनात्मक

गतिविधियों की जानकारी दी और यवाओं की भागीदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने यवा भवन के निर्माण से जुड़ी योजनाओं और प्रांतीय स्तर की भावी पहलों को साझा किया। उन्होंने बताया कि मुख्य सचिव अलका तिवारी ने मंच की सामाजिक सेवा में सिक्रयता की सराहना करते हुए इसे युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया है। राज्य हित में मंच की भूमिका को उपयोगी बताते हुए भविष्य में हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया।

भगवान भोलेनाथ के प्रिय माह सावन की शुरूआत ११ जुलाई से हो रही है। 10 जलाई आषाढ पर्णिमा और 11 जुलाई से श्रावण कृष्ण प्रतिपदा माह में गुरु आदित्य योग के शुभ संयोग में शिव आराधना की शरूआत होगी। इस बार सावन में चार सोमवार का संयोग बन रहा है। 9 अगस्त को स्नानदान की पूर्णिमा और रक्षाबंधन के साथ इस पावन माह का समापन आयष्मान और सौभाग्य योग के साथ होगा। इस संबंध

में मंगलवार को पंडित मनोज पांडेय ने

बताया कि सावन ११ जुलाई से शुरू हो

रहा है। इस बार सावन में 4 सोमवारी

पड़ रही है। प्रथम सावन सोमवार व्रत 14 जुलाई, दूसरा 21 जुलाई, तीसरा 28 जुलाई और चौथा सावन सोमवार व्रत ४ अगस्त को है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सावन माह में दुर्लभ संयोग बन रहा है। सावन माह के दौरान सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग, शिव योग जैसे शुभ योगों का संयोग बन रहे हैं। इस साल कुल 4 सावन सोमवार पड़ रहे हैं। सावन के महीने में हर दिन विशेष रूप से सावन सोमवार के दिन भगवान शिव की पूजा-उपासना करने से जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। इस माह में कुछ खास व्रत भी

रांची नगर निगम में हुई उच्चस्तरीय बैठक में लिया गया फैसला

राजधानी में गंदगी फैलाने वालों पर सीसीटीवी से रखी जाएगी नजर

के खातों में पहुंची है।

मंगलवार को रांची नगर निगम के प्रशासक सुशांत गौरव की अध्यक्षता में निगम क्षेत्र की साफ-सफाई, यातायात प्रबंधन, राजस्व सुदृढ़ीकरण और स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में आने वाले श्रावण माह, मानसून सत्र और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के प्रस्तावित रातू रोड फ्लाईओवर उद्घाटन कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए कई निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों व निगम कर्मियों को इस दौरान अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया। वहीं सिटी मैनेजर और जोनल सुपरवाइजर को हर दिन कमांड कंट्रोल सेंटर का विजिट करने को कहा गया। वहीं गंदगी फैलाने वालों

स्कूलों के बाहर तंबाकू की खरीद-बिक्री पर रहेगी रोक

रात रोड फ्लाईओवर उद्धाटन को लेकर चलाया जाएगा विशेष अभियान



अधिकारियों के साथ बैठक करते निगम के प्रशासक सुशांत गौरव 🏻 फोटोन न्यूज

को चिन्हित करते हुए कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। श्रावण माह को देखते हुए पहाड़ी मंदिर

और अन्य शिवालयों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा।

पहाड़ी मंदिर के संपर्क पथों पर अस्थायी पार्किंग की व्यवस्था श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सुनिश्चित की जाएगी। वहीं 3

जुलाई को प्रस्तावित फ्लाईओवर उद्घाटन के मद्देनजर, कार्यक्रम स्थल और मार्ग पर सफाई दो पालियों में कराई जाएगी। इसमें मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों का भी उपयोग किया जाएगा। साथ ही, खराब स्ट्रीट लाइट्स को तुरंत दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। एंटी लार्वा दवा का होगा **छिड़काव** : मानसून को देखते हुए शहरभर में नियमित फॉगिंग और एंटी लार्वा दवा का छिड़काव कराया जाएगा। प्रभावित क्षेत्रों में डोर-टू-डोर दवा छिड़काव भी सुनिश्चित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सभी स्कूलों के 300 मीटर के दायरे में मांस-मछली की दुकानें और तंबाकू उत्पादों की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी।

सदर अस्पताल में डॉक्टरों को किया गया सम्मानित



RANCHI: मंगलवार को डॉक्टर्स डे के अवसर पर सदर अस्पताल में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार और समाजसेवी ज्योति शर्मा ने अस्पताल के समर्पित डॉक्टरों को सम्मानित किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन ने कहा कि डॉक्टरों की निस्वार्थ सेवा और जन स्वास्थ्य में उनका योगदान सराहनीय है। वहीं ज्योति शर्मा ने भी डॉक्टरों को समाज का असली नायक बताया और उनके समर्पण को सलाम किया। मौके पर डिप्टी सुपरिटेंट डॉ. बिमलेश सिंह, डॉ. आरपी सिंह समेत अन्य मौजूद थे।

कांके विधायक सुरेश बैटा ने बारिश से नुकसान का सर्वे कराने का दिया निर्देश

11 से होगी सावन माह की शरूआत

मंगलवार को कांके प्रखंड कार्यालय सभागार में विधायक सुरेश बैठा ने सभी पंचायतों के मुखिया और प्रखंड व अंचल कर्मियों के साथ बैठक की। इसमें क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से किसानों और ग्रामीणों को हुए नुकसान का तत्काल आकलन कर रिपोर्ट जिला को भेजने का निर्देश दिया। विधायक ने सभी जनप्रतिनिधियों से कहा कि जिन ग्रामीणों और किसानों को बारिश के कारण नुकसान हुआ है, उसका आवेदन और फोटो लेकर तत्काल प्रखंड कार्यालय में जमा कराएं, ताकि उन्हें राहत पहुंचाई जा सके। वहीं राजस्व कर्मचारी पर कार्रवाई भी की गई।

विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि बारिश से प्रभावित किसानों और



ग्रामीणों को समय पर राहत मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी पंचायतों में प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान का जल्द से जल्द सर्वे कर विस्तृत रिपोर्ट जिला को भेजें। इस दौरान विधायक को राजस्व कर्मचारी दुर्गेश मुंडा के कार्यों को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। बैठक में विधायक ने राजस्व कर्मचारी दुर्गेश मुंडा से स्पष्टीकरण मांगा, लेकिन जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रभारी अंचल अधिकारी विजय कुमार को आदेश दिया।

समाचार सार

इंटर नामांकन पर असमंजस : शिक्षक संघ



झारखंड के अंगीभूत महाविद्यालय इंटरमीडिएट शिक्षक संघ ने राज्य सरकार के एक फैसले पर सवाल उठाते हुए इंटरमीडिएट सेकेंड ईयर (12वीं) में नामांकन को लेकर व्याप्त अनिश्चितता पर गहरी चिंता व्यक्त की है। संघ के प्रदेश महासचिव डॉ. राकेश कुमार पांडेय ने मंगलवार को कहा कि सरकार के अल्प निर्णय के कारण राज्य के 64 अंगीभृत महाविद्यालयों में

इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष में नामांकन की स्थिति अस्पष्ट बनी हुई है, जिससे लगभग 50 हजार विद्यार्थी भविष्य को लेकर असमंजस में हैं। डॉ. पांडेय ने कहा कि शैक्षणिक सत्र शुरू होने का समय आ गया है, लेकिन सरकार के स्पष्ट निर्णय के अभाव में इन विद्यार्थियों की पढाई अभी तक शरू नहीं हो पाई है। उन्होंने छात्रों की स्थिति को 'न घर के न घाट के' जैसा बताया। वर्तमान में कॉलेजों में 12वीं में नामांकन नहीं हो रहा है, और दूसरे +2 स्कूलों में भी छात्रों के स्थानांतरण (शिफ्टिंग) का कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। उन्होंने कहा है कि सबसे चिंताजनक स्थिति उन सैकड़ों शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की है जो इन अंगीभृत महाविद्यालयों में पिछले 15 वर्षों से अधिक समय से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। नामांकन की अनिश्चितता के कारण ये सभी कर्मचारी बेरोजगार हो गए हैं, जिससे उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

मायमं के शिविर में 153 युनिट रक्त संग्रह



भवन, बिष्टुपुर में जमशेदपुर सीए ब्रांच के साथ संयुक्त रूप में एक दिवसीय रक्तदान एवं डेंटल जांच शिविर का आयोजन किया। इसमें 153 यनिट रक्त एकत्र किया गया।

मंच के अध्यक्ष सीए मुकेश अग्रवाल के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमन चौधरी, विजय सोनी, मनीष अग्रवाल, सुगम सरायवाला, रवि गुप्ता, अंशुल रिंगासिया, सौरव अग्रवाल, आदित्य जाजोदिया आदि भी सक्रिय रहे।

चिली की कंपनी ने दिखाई ताम्र खदानों में रुचि

GHATSILA: दक्षिण अमेरिकी देश चिली की एक कंपनी ने एचसीएल-



आईसीसी की ताम्र खदानों में रुचि दिखाई है। कंपनी का 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 29 जुन को घाटशिला पहुंचा में बताया कि राखा, सुरदा,

केंदाडीह खदान का दौरा किया गया है। इन खदानों में अपार संभावना है। मामूली परिवर्तन कर बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। खदान का ग्रेड भी बहुत ही ऊंचा है। खदान के भीतर की पर्यावरणीय क्षमता भी बहुत अच्छी है। इसके अलावा इन खदानों में कोडलको की नई तकनीक से अपार विकास की संभावना है। उन्होंने बताया कि कोडालको को खनन के क्षेत्र में 50 वर्षों से ज्यादा अनुभव है। इस संबंध में आईसीसी के युनिट हेड श्याम सुंदर सेठी ने कहा की चिली की कोडलको तकनीक में हिंदुस्तान कॉपर ही नहीं, दूसरी कई कंपनियों से काफी आगे है। इसका लाभ आईसीसी को मिलेगा। यहां बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट की मौजूदगी में एचसीएल और कोडेल्को के बीच एमओयू हुआ था। एमओयू का उद्देश्य अन्वेषण, खनन और खनिज लाभकारीकरण के साथ-साथ कर्मचारी प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को सुविधाजनक बनाने के लिए ज्ञान और सर्वोत्तम प्रथाओं को

डॉ. अरविंद वर्मा का योगदान ऐतिहासिक : प्राचार्य



JAMSHEDPUR: करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज में मंगलवार को कॉलेज के संस्थापक डॉ. अरविंद प्रसाद वर्मा की पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. अशोक झा ने स्व. वर्मा की तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि कॉलेज की स्थापना एवं उसके विकास में उनका योगदान ऐतिहासिक है। सभी शिक्षकों

एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों को ईमानदारी पूर्वक अपने कार्य करके कॉलेज के विकास में योगदान देना चाहिए। इस दौरान स्व. वर्मा के पुत्र एवं कॉलेज के हेड क्लर्क सौरभ वर्मा ने पीपीटी से कॉलेज की स्थापना एवं विकास का विवरण प्रस्तुत किया। इसमें पूर्व विद्यायक सनातन माझी, पद्मश्री दिगंबर हांसदा, आईपीएस आमोद कंठ जैसे लोगों का कॉलेज की स्थापना एवं विकास में उल्लेखनीय योगदान रहा है।

भाजपा ने फूंका राज्य सरकार का पुतला

JAMSHEDPUR: साहिबगंज जिले के भोगनाडीह में हल दिवस में



लाठीचार्ज के खिलाफ भाजपा कार्यकताओं ने मंगलवार को राज्य सरकार का पुतला फूंका। भाजपा जमशेदपुर महानगर द्वारा साकची स्थित जुबिली पार्क गोलचक्कर पर पुतला दहन

के दौरान भाजपा कार्यकताओं ने झामुमो-कांग्रेस गठबंधन सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और इस घटना को आदिवासी अस्मिता और शहीदों के बलिदान का अपमान बताया। पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार ने इसे झारखंड के लिए काला अध्याय बताया।

ज्वेलर्स लुदकांड में बंगाल से गिरफ्तार हुए दो बदमाश, एक अब भी फरार

सोमवार की देर रात मालिक से पिस्तौल की नोंक पर छीना था 1.35 करोड़ के जेवरात से भरा बैग

पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत चाकुलिया नगर पंचायत क्षेत्र के पराना बाजार में बिरसा चौक के पास सोमवार की देर रात लूट हुई थी। इसमें प्राप्ति ज्वेलर्स के मालिक अरुण नंदी से एक बाइक पर सवार होकर आए तीन बदमाशों ने चाकू और पिस्टल सटाकर लगभग डेढ़ किलो जेवरात और 50 हजार रुपये से भरे बैग की छिनतई कर ली थी। यह घटना रात करीब 8.22 बजे ज्वेलर्स शॉप के मालिक के मिस्त्रीपाड़ा स्थित आवासीय

घटना को अंजाम देकर तीनों बदमाश बाइक से पश्चिम बंगाल की ओर भाग निकले थे। यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई

जादगोडा थाना अंतर्गत मउभंडार

ओपी क्षेत्र में मोबाइल दुकान में हुई

बड़ी चोरी की घटना का पुलिस ने

खुलासा कर दिया है। चोरी गए कुल

50 स्मार्टफोन में से 45 फोन, 33

चार्जर, एक हेडफोन और 25,000

रुपये नकद बरामद कर लिए गए हैं।

इस मामले में दो आरोपियों को

गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर

बिहार के पूर्णिया से पूर्वी सिंहभूम

लाया गया है। यह जानकारी ग्रामीण

एसपी ऋषभ गर्ग ने साकची में एक

प्रेस कांफ्रेंस में दी है। यह घटना 11

जून 2025 की रात मउभंडार बाजार

स्थित 'निदा कम्युनिकेशन' मोबाइल

दुकान में घटी, जब अज्ञात चोरों ने

दुकान के पीछे से घुसकर दरवाजे

की कुंडी तोड़ दी और करीब साढ़े

सात लाख रुपये के स्मार्टफोन, 50

हजार रुपये नगद और अन्य



पत्रकारों को मामले की जानकारी देते जामबनी (प. बंगाल) के थाना प्रभारी

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग 🌘 फोटोन न्यूज

संतोष कुमार ने पुलिस बल के साथ बदमाशों का पीछा किया। इसकी सूचना चाकुलिया पुलिस ने बंगाल के जामबनी थाना को दे दी। सूचना है कि पश्चिम बंगाल के नुनिया के पास एक बदमाश को पकड लिया गया। बाद में पुलिस ने घटना में शामिल एक

मोबाइल चोरी कांड का हुआ खुलासा

बिहार के पूर्णिया से पकड़ें गए आरोपी

इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी कर लिए।

दुकान मालिक परवेज हुसैन ने

मउभंडार ओपी में अज्ञात के

खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी,

जिसके बाद पुलिस अधीक्षक

(ग्रामीण) के निर्देश पर अनुमंडल

पुलिस पदाधिकारी, घाटशिला के

नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया

गया। तकनीकी जांच में पता चला

कि चोरी गए मोबाइल का उपयोग

बिहार के पूर्णिया जिले में हो रहा है।

इसके बाद एक पुलिस टीम को

जमशेदपुर के बागबेड़ा का निवासी निरंजन गौड़ है। सूत्र

जानकारी के मुताबिक अरुण नंदी अपनी दुकान बंद कर एक बैग में सोने के गहने और रुपये लेकर स्कूटी से मिस्त्रीपाड़ा स्थित मुख्य सड़क से सटे अपने आवास पहुंचे थे। वहां पहले से ही एक बदमाश मेन गेट के दरवाजे से छिपा था। दूसरा अपराधी गेट के पास खड़ा था और तीसरा सड़क पर बाइक स्टार्ट किए हुए था। स्कृटी के रुकते ही गेट के पीछे छिपे एक बदमाश ने उनके गले में चाकू सटा दिया। दूसरा दौड़ कर अंदर आया और उनकी कनपटी में पिस्टल सटा दी। छीनाझपटी में अरुण नंदी स्कटी समेत गिर गए।

जेवरात भी बरामद कर लिए गए

फिर बदमाशों ने सोने से भरा बैग नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 21

दुष्कर्म के एक मामले में आरोपी द्वितीय

साल की कठोर सजा

न्यायाधीश ने 21 साल की कठोर सजा



आरोपी रविचंद्र महतो (पिता गुरु प्रसाद महतो, गांव रुगड़ी, थाना चक्रधरपुर) को पोक्सो एक्ट के तहत दोषी पाते हुए 50 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी रवि चंद्र महतो ने 9 जुलाई 2019 को एक नाबालिंग लड़की को बहला फुसला कर ले गया था। उसने दुष्कर्म के बाद लड़की को धमकी देकर जाने दिया कि किसी को बताया, तो जान से मार देंगे। इसके बावजूद लड़की ने परिजनों को

सिदगोड़ा में महिला दुकानदार से पिस्तौल दिखाकर की लूट, बाइक सवार अपराधी ले भागे सामान

JAMSHEDPUR: शहर के सिदगोड़ा थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। सिंदगोड़ा रोड नंबर 8 स्थित एक राशन दकान में बाइक सवार दो अज्ञात अपराधी ग्राहक बनकर पहुंचे और महिला . कानदार से पिस्तौल दिखाकर लूटपाट की। घटना सुबह कॅरीब 8.30 बजे की हैं। दुकान संचालक मुन्नी देवी ने सिदगोड़ा थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि दो युवक बाइक से दुकान पर पहुंचे थे। एक युवक ने पहले पूछा कि दुकान में कौन-कौन सा सामान उपलब्ध हैं, फिर 5 लीटर रिफाइंड और 5 ीटर सरसों तेल देने को कहा। इन दोनों वस्तुओं का कुल बिल लगभग 1500 रुपये हुआ। इसके बाद जब महिला दुकानदार बेसन निकालने के लिए मुड़ी, तो एक युवक ने टेबल की ओर से पिस्तौल दिखाकर उसे डरा दिया। पिस्तौल देखकर महिला बुरी तरह घबरा गई और कुछ बोल नहीं सकी। इसी का फायदा उढाकर दोनों युवक दुकान से तेल लेकर फरार हो गए। मुन्नी देवी ने बताया कि जिस स्थान से अपराधी ने पिस्तौल दिखाया, वह कैमरे की रेंज में नहीं था, इसलिए उसका फुटेज उपलब्ध नहीं हो सका। महिला की लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

छीन लिया और बाइक पर सवार होकर मुख्य सड़क से पश्चिम बंगाल की ओर भाग निकले।

उन्हें रोकने की कोशिश की, परंतु बदमाशों ने युवक को पिस्टल से गोली मारने की धमकी दी। उसके सड़क किनारे खड़े एक युवक ने बाद वह वहां से हट गया।

तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी में मारी टक्कर, महिला की मौत



CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुवा में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। इसमें मांदुई चाकी नामक 52 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा तब हुआ, जब तेज रफ्तार एलपीजी सिलेंडर लंदे ट्रक ने स्कूटी को टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार, सोनुवा थाना अंतर्गत कोंकुवा गांव निवासी गोपाल चाकी अपनी पत्नी मांदुर चाकी और पुत्र मरतम चाकी के साथ सोनुवा बाजार आए थे। इस दौरान मां और बेटा सड़क किनारे खड़े थे। तभी पीछे से आए तेज रफ्तार एलपीजी गैस सिलेंडर लोड ट्रक ने स्कृटी में धक्का मार दिया। इससे मांदुर चाकी को ट्रक ने कुचल दिया। बेटा बाल-बाल बच गया। घटना के बाद पूर्व विधायक गुरुचरण नायक, झामुमो नेता दीपक कुमार प्रधान, साध चरण सामड आदि ने मुआवजा देने की मांग की। इधर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपर स्थित अनमंडल अस्पताल भेज दिया। चालक को हिरासत में लेकर गाड़ी को जब्त कर लिया गया है।

कोल्हान छात्र संघर्ष समिति ने निकाली विशाल न्याय यात्रा



रैली में शामिल छात्राएं

• फोटोन न्यूज

CHAIBASA: कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई बंद होने के खिलाफ कोल्हान छात्र संघर्ष समिति ने मंगलवार को चाईबासा में न्याय यात्रा निकाली। इसमें टाटा कॉलेज चाईबासा, महिला कॉलेज चाईबासा, कॉमर्स कॉलेज चाईबासा एवं जवाहरलाल नेहरू कॉलेज चक्रधरपुर के छात्र -छात्राएं तथा अभिभावक शामिल हए। न्याय यात्रा चाईबासा के टाटा कॉलेज से निकली और ताम्बो चौक, डीसी आवास, टुंगरी पोस्ट ऑफिस, बिरसा चौक महुलसाई से टाटा कॉलेज मोड़ होते हुए जिला समाहरणालय पहुंची। इस दौरान छात्रों ने इंटरमीडिएट की पढ़ाई अभिलंब नामांकन या सुचारू से पढाई निरंतर चले।अगर ऐसा नहीं होता है तो राज्यपाल के खिलाफ एवं राज भवन तक भी जाएंगे। छात्र नेता पिपुन बारिक ने कहा कि इंटरमीडिएट की पढ़ाई कॉलेजों में बंद होने से कोल्हान के सुदर्वती क्षेत्रों से आने वाले छात्र-छात्राओं एवं अभिभावक को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

तेज रफ्तार बाइक ने खड़ी स्कूटी में मारी टक्कर, दो घायल

पूर्णिया भेजा गया। छापेमारी के

दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार

किया गया। बहालुल (उम्र 19

वर्ष), पिता मो. शहबाज, ग्राम

बाराटोला, थाना रौटा, जिला पूर्णिया

(बिहार) व मो. शकलेन, पिता मो.

निजामुद्दीन, ग्राम चकला वार्ड नंबर

7, थाना बायसी, जिला पूर्णिया

(बिहार) को गिरफ्तारी के बाद

ट्रांजिट रिमांड पर घाटशिला लाया

गया। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर

चोरी गए सामान बरामद किए।



चाईबासा मुख्य मार्ग (एनएच-75ई) पर मंगलवार को तेज रफ्तार बाइक ने खड़ी स्कूटी में टक्कर मार दी, जिससे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना चक्रधरपुर शहर के भालियाकुदर के पास हुई। इस दुर्घटना में स्कूटी व बाइक पर सवार दोनों को चोट लगी है। घटना के बाद घायलों को अनुमंडल अस्पताल लाया गया, लेकिन गंभीर हालात को देखते हुए दोनों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, कराईकेला क्षेत्र के पुटसाई गांव निवासी आरती महतो स्कूटी से भालीयाकुदर आई थी। वह सड़क किनारे स्कूटी खड़ा कर रही थी कि आसनतिलया की ओर जा रहे दलकी गांव निवासी बाइक सवार पंकज उरांव ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि पंकज उरांव नशे में था।

टैंकर से हुआ प्रोपिलीन गैस का रिसाव, क्षेत्र में दहशत



दोनों किनारे वाहनों की लंबी

कतार लग गई। सूचना मिलते ही

मौके के पर बहरागोड़ा के बीडीओ

केशव भारती, अंचल अधिकारी

राजाराम सिंह मुंडा तथा थाना

प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा दल-

बताया जा रहा है कि गैस रिसाव

बल के साथ पहुंचे।

एनएच के दोनों ओर से वाहनों का प्रवेश बंद, लगी गाड़ियों की लंबी कतार

• फोटोन न्यूज होने से गैस का रिसाव शुरू हो

बालेश्वर से एक्सपर्ट को बुलाया गया है। सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन द्वारा फायर ब्रिगेड का इंतजाम कर मौके पर रखा गया है। चालक ने बताया कि यह गैस टैंकर मथुरा से पारादीप जा रहा था। इसमें लगभग 20 टन प्रोपिलीन गैस भरा हुआ है। बहरागोड़ा के कालियाडिंगा ओवरब्रिज के नीचे दुर्घटनाग्रस्त काम आता है।

गया। अंदाजा होते ही गैस टैंकर के चालक ने जान-जोखिम में डालकर घनी आबादी से दर लाकर टैंकर खड़ा कर दिया। शाम चार बजे तक टैंकर से गैस का रिसाव जारी था। ज्ञात हो कि प्रोपिलीन एक इंडस्ट्रियल गैस है, जो ज्यादातर वेल्डिंग-ब्रेजिंग के

दलमा क्षेत्र में ईको-सेंसेटिव जोन के तहत उजाड़ने की साजिश के खिलाफ सरकार को दी चेतावनी

आदिवासियों-वनवासियों ने डीसी ऑफिस पर किया विरोध प्रदर्शन

दलमा क्षेत्र ग्राम सभा सुरक्षा मंच (कोल्हान) के नेतृत्व में मंगलवार को डीसी ऑफिस के समक्ष विशाल प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान दलमा क्षेत्र को ईको-सेंसेटिव जोन घोषित करने के नाम पर आदिवासी और अन्य परंपरागत वनवासियों को उनकी पुश्तैनी जमीन से बेदखल करने, उनके घरों को ध्वस्त करने और वनाधिकार कानून को दरिकनार करने की सरकारी साजिशों के खिलाफ सरकार को चेतावनी दी गई।

पटमदा, चांडिल, बोड़ाम, डिमना, पारडीह, गालूडीह, घाटशिला, मुसाबनी सहित कोल्हान के दूरदराज से आए ग्रामीण पहले साकची के आमबगान मैदान में एकत्र हुए।



वहां से प्रदर्शनकारी नारे लगाते हुए रैली के रूप में उपायुक्त कार्यालय तक पैदल पहुंचे। इस रैली में महिलाओं की ज्यादा भागीदारी रही। उन्होंने हाथों में बैनर और तिख्तयां लिए जोरदार नारे लगाए। हम वनवासी हैं,

बेघर नहीं होंगे!... हम उजाड़े नहीं जाएंगे- जंगल हमारा है !...। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने वन विभाग पर गंभीर आरोप लगाए कि जब वे बरसों से रह रहे जमीन पर व्यक्तिगत पट्टा के लिए आवेदन करते हैं, तो उन्हें पट्टा

नहीं दिया जाता। इसके बजाय उन्हें बार-बार दौड़ाया जाता है और जिस जमीन पर वे वास्तव में रहते हैं, उसका अधिकार नहीं दिया जाता।

के प्रदर्शन बाद प्रतिनिधिमंडल ने उपायक्त,

उपायुक्त ने दिया आश्वासन, निकालेंगे ठीस समाधान

प्रतिनिधियों ने उपायुक्त से रांची के इको-सेंसिटिव जोन के प्रमुख अधिकारी से बातचीत की और यह पूछा कि क्या इको-सेंसिटिव जोन में वन अधिकार कानून के तहत वनपट्टा दिए जाने का प्रावधान है या नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि खड़िया, पहाड़िया, बिरहोर, सबर जैसे आदिवासी समुदाय इस भूमि के पारंपरिक स्वामी हैं, इन्हें उजाड़ा नहीं जा सकता। उपायुक्त ने कहा कि वे वन विभाग के अधिकारियों से बात कर ठोस हल निकालने की दिशा में कदम उठाएंगे।

इन्होंने किया नेतृत्व

प्रदर्शन में रहे शामिल सुखलाल पहाड़िया, बबिता कच्छप, प्रसुन भील, राधेश्याम सिंह मुंडा, रविंद्र सिंह सरदार, डेमका सोय, कृष्णा लोहार, दीपक रंजीत, अजीत तिर्की, दिनकर कच्छप, सूर्यनारायण मुर्मू, जागरण पाल, काकुली महतो, हरमोहन महतो, सुनील हेम्ब्रम, कमल पहाड़िया, रवि पहाड़िया, मंटू पहाड़िया, जयनाथ भूमिज सहित दर्जनों सिक्रय कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जमशेदपुर से मुलाकात की। घर नहीं उजाड़ा जाएगा और वे उपायुक्त ने आश्वासन दिया कि बारिश के मौसम में किसी का

वन विभाग से बात कर इस विषय का समाधान निकालेंगे।

पश्चिम बंगाल से चुनाव लड़ेंगे आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो



घाटशिला में कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सुदेश महतो व अन्य आजसू नेता

GHATSILA : आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो इस बार पश्चिम बंगाल से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने ये बातें घाटशिला में आयोजित विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता मिलन समारोह के बाद पत्रकारों से कहीं। सुदेश ने कहा कि पश्चिम बंगाल के बाघमुंडी में हमारी पार्टी पहले से ही विधानसभा चुनाव लड़ रही है। इस बार पार्टी का निर्णय है कि हम वहां से चुनाव लड़ें। यह कोई व्यक्तिगत फैसला नहीं है। उन्होंने कहा कि घाटशिला झारखंड अलग राज्य आंदोलन की माटी है। आजसू पार्टी ने झारखंड आंदोलन की शुरूआत घाटशिला से ही शुरू की थी। इस माटी को नमन करने का सौभाग्य मिला है। यहां का एक-एक कार्यकर्ता पार्टी के प्रति समर्पित है। ज्ञात हो कि पश्चिम बंगाल में 2026 में विधानसभा चुनाव होना है। उन्होंने हूल दिवस के मौके पर भोगनाडी में हुई घटना निंदनीय बताया। मिलन समारोह को पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस, जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह, सपन कुमार सिंहदेव, सागेन हांसदा, हरेलाल महतो आदि ने भी संबोधित किया।





2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए।ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें।

भारत भर में मत्स्य पालन एक जाना पहचाना व्यवसाय रहा है। कृषि से इसको जोडकर जरूर देखा जाता रहा है, किंतू हकीकत में यह काफी उन्नत और लाभकारी व्यवसाय है। वर्तमान में कोरोनावायरस के कारण बड़ी संख्या में गांवों की ओर लोगों का पलायन हुआ है। कई लोगों को रोजगार की समस्या भी उत्पन्न हुई है, क्योंकि जमे जमाए व्यवसाय या फिर शहर में करने वाली नौकरी छूटने के बाद लोग गांव की ओर लौटे हैं। गांव में चूँकि अधिकतर लोगों के पास कम-अधिक जमीन होती ही है और ऐसी स्थिति में मत्स्य पालन उन सबके लिए एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता है।

तालाब को ठीक से करें तैयार

अक्सर लोग किसी तालाब की खुदाई के बाद तुरंत ही मछली के बीज डाल देते हैं, लेकिन यह ठीक मेथड नहीं है। सबसे पहले तालाब की सफाई करने के बाद उसमें 200 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से चूने का छिड़काव जरूरी है। इसके अलावा महुए की खली और ब्लीचिंग पाउडर डालने से भी मछली पालन के लिए तालाब बेहतर कंडीशन में तैयार हो जाता है। यह सारा कार्य आप ठंड के मौसम में ही कर लें, ताकि ठंड का मौसम बीतते-बीतते मछली का बच्चा डालने योग्य आप का तालाब तैयार हो जाए । साथ ही तालाब में ढैंचा नामक घास भी बोया जाता है, ताकि बाद में वह खाद बन जाए और मछली पालन के लिए उपयुक्त रहे। यह तकरीबन 40 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से तालाब में बोया जाता है। साथ ही गोबर की खाद डालने से भी वनस्पति जल्दी उग जाती है। अगर समय पर तालाब में अच्छी घास नहीं होती है तो गोबर के साथ सुपर फास्फेट और यूरिया का घोल तालाब में डालना लाभकारी हो सकता है।हालांकि मछली का बीज डालने से काफी पहले ही यह कार्य करना चाहिए। मछली का बीज डालने के बाद खाद डालना खतरनाक हो सकता है। उपरोक्त कार्य करने के कम से कम 1 महीने बाद ही तालाब में पानी भरकर, ठंड का मौसम बीतने के बाद मछली का बीज डालें। साथ ही तालाब के पानी की गुणवत्ता और उस में ऑक्सीजन की ठीक मात्रा हो, इसके प्रति ॲतिरिक्त सजगता आवश्यक है।

मछलियों की ब्रीड पर खास ध्यान दें

अगर आपका तालाब ठीक ढंग से तैयार हो गया है, किंतु मछलियों के बीज आप सही ढंग से नहीं डालते हैं, तो आपके लिए यह लाभकारी नहीं रहेगा। मुख्य रूप से देशी और विदेशी ब्रीड की मछलियां लोग डालते हैं। इसमें देसी में रोहू, कतला, मृगल इत्यादि प्रचलित प्रजातियां हैं, तो विदेशियों में सिल्वर कॉर्प, ग्रास कार्प इत्यादि प्रमुख हैं। कई लोग जब बाहर से मछली लेकर आते हैं तो उसे एक दो परसेंट नमक के घोल में कुछ देरी के लिए रखते हैं, ताकि अगर मछली के बीज में कोई बीमारी है तो उसका असर कम हो जाए। हालांकि यह बहुत देर तक नहीं

आसान और लाभकारी बिजनेस है मत्स्य पालन कॅरियर के हैं भरपूर अवसर

होना चाहिए और 2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए।ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछिलयों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें । अगर एक या दो मछली आपके तालाब में मर जाती हैं, तो उसे तत्काल निकाल कर बाहर करें समय-समय पर बीज की वृद्धि और उसकी जांच करना आपको नुकसान से बचा सकता है। मछलियों के लिए यूं तो किसी विशिष्ट चारे की जरूरत नहीं होती है, खासकर तब जब आप का तालाब पुराना हो गया हो, किंतु चावल का आटा और मूंगफली की खली इत्यादि मछलियों को तेजी से बढ़ाती हैं । इसके अलावा प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त चारे की मात्रा मछलियों के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध हों, इसके प्रति भी सजग रहें।ध्यान दें मछली का बीज सही क्वालिटी का हो, तो सही मात्रा में भी अवश्य हो, अन्यथा बाद में मछलियां ठीक ढंग से बढेंगी नहीं।

मार्केट को समझना जरूरी है

अब जब आपके पास मछली के बीज तैयार हो जाते हैं तो आसपास की मार्केट का एक अध्ययन जरूर करें और देखें कि आपके आसपास किस तरह की मछलियों की खपत ज्यादा होती है। लोग आखिर क्या खरीदते हैं?

ऐसे में जब आप मछली मार्केट जाएंगे, तो एक ग्राहक बनकर मछलियों की ब्रीड से लेकर उसकी कीमत तक का पता कर

सकते हैं। उसी अनुरूप आप अपनी बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाएं। अगर बड़ी मछलियों की खपत अधिक है, तब आपके तलाब में कम मछलियों का बीज रहना चाहिए, जबकि अगर छोटी मछिलयों की खपत है तो तालाब में बीज अगर अधिक भी डालेंगे तो आपको फायदा ही होगा। कुल मिलाकर सही टाइम पर मछलियों को बेचना और सही व्यापारियों से संपर्क में रहना आपको लाभ दिला सकता है । कई बार मछली के व्यापारी आपके तालाब पर आकर खुद ही सारी मछलियां ले जाते हैं। हालांकि रेट में अगर ज्यादा डिफरेंस है तो आप मछलियों को खुद भी मार्केट तक पहुंचा सकते हैं।

इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे मछिलयों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है। मतलब अगर आपके तालाब में कुछ मछलियां बड़ी हो गई हैं और कुछ मछलियां छोटी हैं, तो बड़ी मछलियों को या तो निकाल कर दूसरे तालाब में डालें या उन्हें मार्केट में भेज दें, क्योंकि बड़ी मछलियों का आहार अधिक होगा और वह छोटी मछलियों का चारा भी खा जाएंगी। इसलिए मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है ताकि मछलियों की ग्रोथ में एक निरंतरता रहे। साथ ही मछलियों में इंटरनल और एक्सटर्नल बीमारी के प्रति सजग रहें, अन्यथा आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपकी पूँजी भारी नुक्सान में बदल गयी। इसके अलावा नई नई जानकारियां आप भिन्न माध्यमों से लेते रहें और अलग–अलग मछली पालकों के संपर्क में रहें।ऐसे में नई चीजें आपको पता चलेंगी





एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पाट्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं । वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं ।ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए।तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं –

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं– इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पाट्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।

रिकल्स - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।

योग्यता – एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम रनातक की डिग्री होना अनिवार्य है । आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए ।

आमदनी – कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद एरिना एनिमेशन, बैंगलोर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीटयुट, नोएडा र्नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली वाईएमसीए इंस्टीटयेंट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली



Complex to a simpact Sopportunity

र्जेरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के गथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और ामताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। ॉपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को रा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। र्जेरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, सि– आत्म–जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और र्रियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। र्जेरियर में अर्ध – कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से शेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर बंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ र्रु होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के ास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के ारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर बंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही गधारित होती है।

भॉपरेशन्स मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य

गमान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को ।धिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों

और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के लिए क्या करें?

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए क्या करें?

अन्य विषयों की तरह प्रबंधन शिक्षा में भी कई विषय होते हैं। प्रबंधन के छात्रों को प्रबंधन के सभी प्रमुख विषयों के अवलोकन के साथ संयुक्त रूप से सामान्य प्रबंधन के तहत विषयों और सिद्धांतों से गुजरना पड़ता है। हालांकि, दो साल की स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा में प्रबंधन की एक विशेष शाखा में विशेषज्ञता का प्रावधान है। प्रबंधन की प्रसिद्ध शाखाओं में विपणन, वित्त, मानव संसाधन आदि शामिल हैं। संचालन प्रबंधन के लिए आपको निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है :

> नीति, योजना और रणनीति की समझ नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, लागू करने और समीक्षा करने की क्षमता बजट, रिपोर्टिंग, योजना और लेखा परीक्षा की देखरेख करने की क्षमता आवश्यक कानूनी और नियामक दस्तावेजों की

इसके साथ-साथ आपको इन बातों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है :

> सुनिश्चित करें कि आप सही मेट्रिक्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं मुख्य समस्याओं को पहचानने के लिए हमेशा र्डेटा का उपयोग करें

नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ अप-टू-डेट रहने में विश्वास करें

स्वचालन से पहले प्रक्रियाओं पर ध्यान दें ध्यान से लोगों के साथ कम्यूनिकेट करें

ऑपरेशन्स मैनेजर बनने के लिए आवश्यकता योग्यता

संचालन प्रबंधक के संबंधित क्षेत्र में कम से कम स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की डिग्री के साथ, छात्रों को ज्ञान और विपणन योग्य कौशल विकसित करना होता है, जिसे वे अपने कॅरियर के दौरान बना सकते हैं। इसके अलावा, एक संचालन प्रबंधक होने के लिए, किसी के पास मजबूत नेतृत्व और पारस्परिक कौशल, शानदार संचार और ग्राहक की आवश्यकताओं की समझ होनी चाहिए। संचालन प्रबंधक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता निम्नलिखित है :

विषय संयोजन- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा में कोई भी स्ट्रीम उम्मीदवारों के पास 10 + 2 + 3 प्रणाली के माध्यम से योग्यता और किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों से उत्तीर्ण के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी

उम्मीदवारों के पास ऑपरेशंस मैनेजमेंट में एमबीए (ऑपरेशंस) या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑपरेशनल मैनेजमेंट में मास्टर्स डिग्री का

भी बहुत महत्त्व होता है ऑपरेशन्स मैनेजर के जॉब रोल्स

सप्लाई चेन मैनेजर एडिमनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर प्लांट मैनेजर ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर परचेस मैनेजर फैसिलिटी मैनेजर इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

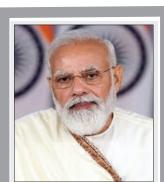
रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं :

> स्वास्थ्य कॉर्पोरेट व्यवसाय बहुराष्ट्रीय कंपनियां हॉस्पिटैलिटी विनिर्माण और खुदरा वित्तीय संस्थाए बीमा क्षेत्र सूचना प्रौद्योगिकी ई-कॉमर्स वेयरहाउसिंग सलाहकारी फर्में



डिजिटल इंडिया का एक दशक, दुनिया अगली डिजिटल क्रांति के लिए भारत की ओर देख रही है



नरेंद्र मोदी

2014 में भारत में लगभग २५ करोड़ इटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर ९७ करोड़ से अधिक हो चुकी है। ४२ लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का ११ गुना है, अब दूरस्थ गांवों को भी जोड़ रही है।

स साल पहले, हमने एक ऐसे क्षेत्र में पूर्ण विश्वास के साथ ऐसी यात्रा शुरू की थी, जहाँ पहले कोई

जहाँ दशकों तक यह संदेह किया गया कि भारतीय तकनीक का उपयोग कर पाएंगे की नहीं, हमने उस सोच को बदला और भारतीयों की तकनीक का उपयोग करने की क्षमता पर

जहाँ दशकों तक सिर्फ यह सोचा गया कि तकनीक का उपयोग अमीर और गरीब के बीच की खाई को और गहरा करेगा, हमने उस मानसिकता को बदला और तकनीक के माध्यम से उस खाई को खत्म किया।

जब नीयत सही होती है, तो नवाचार वंचितों को सशक्त करता है। जब दृष्टिकोण समावेशी होता है, तो तकनीक हाशिए पर खड़े लोगों के जीवन में परिवर्तन लाती है।

यही विश्वास डिजिटल इंडिया की नींव बना- एक ऐसा मिशन जो सभी के लिए पहुंच को लोकतांत्रिक (आसान) बनाने, समावेशी डिजिटल इंफ्रास्ट्रकर बनाने और अवसरों को उपलब्ध कराने के लिए शुरू हुआ।

2014 में, इंटरनेट की पहुंच सीमित थी, डिजिटल साक्षरता कम थी, और सरकारी सेवाओं की ऑनलाइन पहुंच बेहद सीमित थी। कई लोगों को संदेह था कि भारत जैसा विशाल और विविध देश वास्तव में डिजिटल बन सकता है या

आज, इस प्रश्न का उत्तर डेटा और डैशबोर्ड में नहीं, बल्कि 140 करोड भारतीयों के जीवन के माध्यम से दिया जा चुका है। शासन से लेकर शिक्षा, लेन-देन और निर्माण तक, डिजिटल इंडिया हर जगह है।

- डिजिटल डिवाइड को पाटते हुए

2014 में भारत में लगभग 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से अधिक हो चुकी है। 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल. जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का 11 गुना है, अब दूरस्थ गांवों को भी जोड़ रही है।

भारत का 5जी रोलआउट विश्व में सबसे तेज रोलआउट्स में से एक है, और मात्र दो वर्षों में 4.81 लाख बेस स्टेशंस स्थापित किए गए हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट अब शहरी केंद्रों से लेकर अग्रिम सैन्य चौिकयों तक जैसे गलवान, सियाचिन और लद्दाख पहुँच चुका है।

इंडिया स्टैक, जो हमारा डिजिटल बैकबोन है, ने UPI जैसे प्लेटफार्म को सक्षम बनाया है, जो अब सालाना 100 बिलियन से अधिक लेन-देन करता है। विश्व में होने वाले कुल रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन में से लगभग आधे



डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से 44 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे नागरिकों को हस्तांतरित की गयी है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और 3.48 लाख करोड़ रुपये की लीकेज रोकी गई है।

स्वामित्व जैसी योजनाओं ने 2.4 करोड़ से अधिक प्रॉपर्टी कार्ड्स जारी किए हैं और 6.47 लाख गांवों को मैप किया है, जिससे वर्षों से चली आ रही भिम संबंधी अनिश्चितता का अंत हुआ है।

- सभी के लिए अवसरों का लोकतंत्रीकरण

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था अब पहले से कहीं अधिक MSMEs और छोटे उद्यमियों को सशक्त बना रही

ONDC (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) एक क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म है जो विक्रेताओं और खरीदारों के विशाल बाजार से सीधा संपर्क स्थापित कर नए अवसरों की खिडकी खोलता है।

GeM (गवर्नमेंट ई-मार्कटप्लेस) आम आदमी को सरकार के सभी विभागों को सामान और सेवाएं बेचने की सुविधा देता है। इससे न केवल आम नागरिक को एक विशाल बाजार मिलता है बल्कि सरकार की बचत भी होती है।

कल्पना कीजिएः आप मुद्रा लोन के लिए ऑनलाइन आवेदन करते हैं। आपकी क्रेडिट योग्यता को अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क के माध्यम से आंका जाता है। आपको लोन मिलता है, आप अपना व्यवसाय शुरू करते हैं। आप GeM पर पंजीकृत होते हैं, स्कूलों और अस्पतालों को सप्लाई करते हैं और फिर ओएनडीसी के माध्यम से इसे और बडा बनाते हैं।

ओएनडीसी ने हाल ही में 20 करोड़ लेन-देन का आंकड़ा पार किया है- जिसमें पिछले 10 करोड़ सिर्फ 6 महीनों में हुए हैं। बनारसी बुनकरों से लेकर नागालैंड के बांस शिल्पियों तक, अब विक्रेता बिना बिचौलियों के परे देश में ग्राहक तक पहुँच रहे हैं।

GeM ने 50 दिनों में एक लाख करोड़ रुपये का GMV पार किया है, जिसमें 22 लाख विक्रेता शामिल हैं, जिनमें 1.8 लाख से अधिक महिला संचालित MSMEs हैं, जिन्होंने 46,000 करोड़ रुपये की आपूर्ति की है।

- डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्नरः भारत का वैश्विक

भारत का डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्कर (DPI)- जैसे आधार, CoWIN, डिजिलॉकर, फास्टैग, पीएम-WANI, और वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन- को अब वैश्विक स्तर पर पढ़ा और अपनाया जा रहा है।

CoWIN ने दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को सक्षम किया, जिससे 220 करोड़ QR-सत्यापित सर्टिफिकेट जारी हुए। DigiLocker, जिसके 54 करोड़ उपयोगकर्ता हैं, 775 करोड़ से अधिक दस्तावेजों को सुरक्षित और निर्बाध

तरीके से होस्ट कर रहा है। भारत ने अपनी जी20 अध्यक्षता के दौरान ग्लोबल DPI रिपॉजिटरी और \$25 मिलियन का सोशल इम्पैक्ट फंड लॉन्च किया. जिससे अफ्रीका और दक्षिण एशिया के देश

समावेशी डिजिटल इकोसिस्टम अपना सकें। - स्टार्टअप पॉवर और आत्मनिर्भर भारत

भारत अब विश्व के शीर्ष 3 स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है, जिसमें 1.8 लाख से अधिक स्टार्टअप हैं। लेकिन यह सिर्फ एक स्टार्टअप आंदोलन नहीं है, यह एक टेक्नोलॉजी पुनर्जागरण है।

भारत में युवाओं के बीच AI स्किल्स और AI टैलेंट के मामले में बड़ी प्रगति हो रही है।

\$1.2 बिलियन इंडिया AI मिशन के तहत भारत ने 34,000 GPUs की पहुँच ऐसे मूल्य पर सुनिश्चित की है जो वैश्विक स्तर पर सबसे कम है -\$1 से भी कम प्रति GPU Hour. इससे भारत न केवल सबसे सस्ता इंटरनेट इकोनॉमी, बल्कि सबसे किफायती कंप्यूटिंग हब बन गया है।

भारत ने मानवता-पहले AI की वकालत की है। नई दिल्ली डिक्लरेशन ऑन AI जिम्मेदारी के साथ नवाचार को बढ़ावा देता है। देशभर में AI सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जा रहे हैं।

- आगे का रास्ता

अगला दशक और भी अधिक परिवर्तनकारी होगा। हम डिजिटल गवर्नेंस से आगे बढकर वैश्विक डिजिटल नेतृत्व की ओर बढ़ रहे हैं – इंडिया फर्स्ट से इंडिया फॉर द वर्ल्ड

डिजिटल इंडिया अब केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं रहा, यह जनआंदोलन बन चुका है। यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का केंद्र है, और भारत को दुनिया का विश्वसनीय नवाचार साझेदार बना रहा है।

सभी इनोवेटर्स, एंटरप्रेन्योर्स, और ड्रीमर्स सेः दुनिया अगली डिजिटल क्रांति के लिए भारत की ओर देख रही है।

- आइए हम वह बनाएं जो सशक्त बनाता है। - आइए हम ऐसे हल निकालें जो वास्तव में मायने रखता

- आइए हम उस तकनीक के साथ नेतृत्व करें जो unite include और uplift करती है।

लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं।

संपादकीय

हिन्दी पर सियासी संग्राम

महाराष्ट्र के विद्यालयों में पहली कक्षा से हिन्दी भाषा को शामिल करने के खिलाफ बढ़ते विरोध के दरम्यान मंत्रिमंडल ने त्रि-भाषा नीति पर सरकारी आदेश को रद्द कर दिया। भाषा नीति के कार्यान्वयन व आगे की राह सुझाने के लिए शिक्षाविद् की अध्यक्षता में समिति का गठन करने की घोषणा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने की। राज्य सरकार ने अप्रैल मध्य में आदेश जारी किया था कि अंग्रेजी व मराठी माध्यम स्कूलों के छात्रों के लिए पहली से पांचवीं कक्षा तक हिन्दी को तीसरी अनिवार्य भाषा बनाया गया था, परंतु जबरदस्त विरोध के चलते महीने भर बाद ही संशोधित सरकारी आदेश द्वारा हिन्दी को वैकल्पिक विषय बता दिया गया। आदेश को रद्द करते हुए मुख्यमंत्री ने दलीलें दीं, कि मुख्यमंत्री रहते हुए उद्धव ठाकरे द्वारा कक्षा एक से बारह तक तीन भाषा नीति लागू करने की सिफारिशें स्वीकारी थीं व कार्यान्वयन पर सामिति गठित की थीं। भाषा विवाद देश में नया नहीं है। दक्षिण के कई राज्य हिन्दी का सिर्फ विरोध ही नहीं करते रहे हैं बल्कि इसे थोपे जाने के आरोप भी मढ़ते रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में त्रि-भाषा लागू करने की बात की गई है। जिसमें कम-से-कम दो भाषाएं भारत की मूल होनी अनिवार्य है। तीसरी भाषा का चयन छात्र/राज्य व क्षेत्र के अनुरूप करने की बात की गई। मगर स्थानीय राजनीतिक दलों ने इसे मुद्दा और वे पूर्वाग्रह से हिन्दी थोपने का विरोध करने में जुट गए। बेशक राज्यों में सरकारी नौकरियों के लिए उम्मीदवारों से स्थानीय भाषा के ज्ञान की अनिवार्यता अभी भी है। महाराष्ट्र में बहुसंख्य लोग मराठी बोलते हैं। यह देश में प्रयोग की जाते वाली भाषाओं में तीसरा स्थान रखती है, जिसे पश्चिम भारत के अन्य राज्यों में भी खब प्रयोग किया जाता है। बावजूद इसके भाषा विवाद में जबरन हिन्दी को घसीटना सिर्फ राजनीतिक कीचड़ उछालने का दस्तूर बन गया है, जिस पर सरकार को कड़ा निर्णय लेना चाहिए। किसी भी राष्ट्रीय नीति को लेकर राज्यों को सिहष्णुता बरतनी चाहिए। केंद्र को इस पर दखलंदाजी करने पर संकोच नहीं करना चाहिए। जब तीसरी भाषा का चुनाव छात्रों के इख्तियार में है, वे स्वेच्छापूर्वक न चाहें तो उन्हें मजबूर नहीं किया जा सकता। सरकार का इस तरह का ढुलमुल रवैया उचित नहीं। अंग्रेजी पर बढ़ती निर्भरता और जरूरत को सहजतापूर्वक स्वीकारने वालों को एकता व अखंडता का सम्मान करते हुए जनता को यह इख्तियार देना होगा। भाषाओं की अपनी गरिमा व सम्मान है, उसके प्रति द्वेष कर्ता उचित नहीं है।

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं-आसीनो दूरं व्रजित शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं।

किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रघ्संहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं। जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।



प्रहलाद सबनानी

ल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी की है। इसके साथ ही, निजी क्षेत्र के बैंकों, सरकारी क्षेत्र के बैंकों एवं क्रेडिट कार्ड कम्पनियों सहित अन्य वित्तीय संस्थानों ने भी अपने ग्राहकों को प्रदान की जा रही ऋणराशि पर लाग ब्याज दरों में कमी की घोषणा करना प्रारम्भ कर दिया है ताकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में की गई कमी का लाभ शीघ्र ही भारत में ऋणदाताओं तक पहुंच सके एवं इससे अंततः देश की अर्थव्यवस्था को बल मिल सके। भारत में चूंकि अब मुद्रा स्फीति की दर नियंत्रण में आ गई है, अतः आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में और अधिक कमी की जा सकती है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है ऋणराशि पर लागु ब्याज दरों में कमी के बाद कई नागरिक जिन्होंने पूर्व में कभी बैंकों से ऋण नहीं लिया है, वे भी ऋण लेने का प्रयास करें। बैंक से ऋण लेने से पूर्व इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि इस ऋण को चुकता करने की क्षमता भी ऋणदाता में होनी चाहिए अर्थात ऋणदाता की पर्याप्त मासिक आय होनी चाहिए ताकि बैकों द्वारा प्रदत्त ऋण की किश्त एवं ब्याज का भगतान पूर्व निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके। इस संदर्भ में विशेष रूप से युवा ऋणदाताओं द्वारा क्रेडिट कार्ड के उपयोग पश्चात संबंधित राशि का भगतान समय सीमा के अंदर अवश्य करना चाहिए क्योंकि अन्यथा क्रेडिट कार्ड एजेंसी द्वारा चक की गई राशि पर भारी मात्रा में ब्याज वसूला जाता है, जिससे युवा ऋणदाता ऋण के जाल में फंस जाते हैं।

बैकों से लिए गए ऋण की मासिक किश्त एवं इस

मध्यम वर्गीय परिवार नहीं फंसे ऋण के जाल में



ऋणराशि पर ब्याज का भगतान यदि निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं किया जाता है तो चूककर्ता ऋणदाता से बैकों द्वारा दंडात्मक ब्याज की वसुली की जाती है। इसी प्रकार, कई नागरिक जो क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते हैं एवं इस क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की गई राशि का भगतान यदि वे निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं कर पाते हैं तो इस राशि पर चूक किए गए क्रेडिट कार्ड धारकों से भारी भरकम ब्याज की दर से दंड वसूला जाता है। कभी कभी तो दंड की यह दर 18 प्रतिशत से 24 प्रतिशत के बीच रहती है। क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने वाले नागरिक कई बार इस उच्च ब्याज दर पर वसुली जाने वाली दंड की राशि से अनभिज्ञ रहते हैं। अतः बैंकों से ली जाने वाली ऋणराशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का समय पर भुगतान करने के प्रति ऋणदाताओं को सजग रहने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर यह ऋणदाताओं के हित में है कि वे बैंक

से लिए जाने वाले ऋण की राशि तथा ब्याज की राशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का पूर्व निर्धारित एवं उचित समय सीमा के अंदर भगतान करें क्योंकि अन्यथा की स्थिति में उस चककर्ता नागरिक की क्रेडिट रेटिंग पर विपरीत प्रभाव पड़ता है एवं आगे आने वाले समय में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है एवं बहुत सम्भव है कि भविष्य में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त ही न हो

ऋणदाता यदि किसी प्रामाणिक कारणवश अपनी किश्त एवं ब्याज का बैंकों अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को समय पर भुगतान नहीं कर पाता है और उसका ऋण खाता यदि गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित हो जाता है तो इस संदर्भ में चूककर्ता ऋणदाता द्वारा बैकों को समझौता प्रस्ताव दिए जाने का प्रावधान भी है। इस समझौता प्रस्ताव के माध्यम से चककर्ता ऋणदाता द्वारा सम्बंधित बैंक अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को मासिक किश्त एवं ब्याज की राशि को पुनर्निर्धारित किए जाने के सम्बंध में निवेदन किया जा सकता है। परंतु, यदि ऋणदाता ऋण की पूरी राशि, ब्याज सहित, अदा करने में सक्षम नहीं है तो चुक की गई राशि में से कुछ राशि की छूट प्राप्त करने एवं शेष राशि को एकमुश्त अथवा किश्तों में अदा करने के सम्बंध में भी समझौता प्रस्ताव दे सकता है। ऋण की राशि अथवा ब्याज की राशि के सम्बंध के प्राप्त की गई छूट की राशि का रिकार्ड बनता है एवं समझौता प्रस्ताव के अंतर्गत प्राप्त छूट के चलते भविष्य में उस ऋणदाता को बैकों से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, इस बात का ध्यान चूककर्ता ऋणदाता को रखना चाहिए। अतः जहां तक सम्भव को ऋणदाता द्वारा समझौता प्रस्ताव से भी एवं ब्याज का निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत भुगतान करना ही सबसे अच्छा रास्ता अथवा विकल्प है। भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के चलते

बचा जाना चाहिए एवं अपनी ऋण की निर्धारित किश्तों

मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है, जिनके द्वारा चार पहिया वाहनों, स्कूटर, फ्रिज टीवी, वॉशिंग मशीन एवं मकान आदि आस्तियों को खरीदने हेतु बैकों अथवा अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण लिया जा रहा है। कई बार मध्यमवर्गीय परिवार एक दूसरे की देखा देखी आपस में होड़ करते हुए भी कई उत्पादों को खरीदने का प्रयास करते हुए दिखाई देते हैं, चाहे उस उत्पाद विशेष की आवश्यकता हो अथवा नहीं। उदाहरण के लिए एक पड़ौसी ने यदि अपने चार पहिया वाहन का एकदम नया मॉडल खरीदा है तो जिस पड़ौसी के पास पूर्व में ही चार पहिया वाहन उपलब्ध है वह पुराने मॉडल के वाहन को बेचकर पडौसी द्वारा खरीदे गए नए मॉडल के चार पहिया वाहन को खरीदने का प्रयास करता है और बैंक के ऋण के जाल में फंस जाता है। यह नव धनाडय वर्ग यदि बैक से लिए गए ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का निर्धारित समय सीमा के अंदर भुगतान नहीं कर पाता है तो उस नागरिक विशेष के वित्तीय रिकार्ड पर धब्बा लग सकता जिससे उसके लिए उसके शेष जीवन में बैकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों से पुनः ऋण लेने में कठिनाई आ सकती है। अतः बैकों से ऋण प्राप्त करने वाले नागरिकों को ऋण की किश्त का समय पर भुगतना करना स्वयं उनके हित में हैं, ताकि भारत में तेज हो रही आर्थिक प्रगति का लाभ आगे आने वाले समय में भी समस्त नागरिक

भारत में तो यह कहा भी जाता है कि जिसके पास जितनी चादर हो, उतने ही पैर पसारने चाहिए। अर्थात, नागरिकों को बैंकों से ऋण लेते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का भुगतान करने लायक उनकी अतिरिक्त आय होनी चाहिए, ताकि ऋण की किश्तों एवं ब्याज की राशि का भुगतान निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके एवं उनका ऋण खाता गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित नहीं हो।

मोदी की विदेश यात्रा : वैश्विक भारत की सशक्त प्रस्तुति



धानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2 से 9 जुलाई, 2025 तक की अपनी विदेश यात्रा के दौरान घाना, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया का दौरा करेंगे।

यह यात्रा रणनीतिक कूटनीतिक अभियान है, जो भारत के वैश्वक दृष्टिकोण, दक्षिण-दक्षिण सहयोग, बहुपक्षीय नेतृत्व और सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूती देने की दिशा में निर्णायक कदम है। यह दौरा न केवल इन देशों के साथ द्विपक्षीय रिश्तों को नई ऊर्जा देगा, बल्कि भारत की बहुपक्षीय उपस्थिति को वैश्विक स्तर पर और अधिक सशक्त करेगा।

घाना (2-3 जुलाई, 2025): अफ्रीकी साझेदारी का नया अध्याय

प्रधानमंत्री मोदी की यह घाना यात्रा उनकी पहली

द्विपक्षीय यात्रा होगी। लगभग तीन दशकों के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली घाना यात्रा होगी। यह यात्रा बताती है कि भारत अब अफ्रीकी देशों के साथ अपने रिश्तों को केवल ऐतिहासिक भाईचारे की भावना से नहीं, बल्कि सामरिक और आर्थिक दृष्टिकोण से भी देख रहा है।

त्रिनिदाद और टोबैगो (3-4 जुलाई, 2025): सांस्कृतिक रिश्तों को राजनीतिक सुदृढ़ता

त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य की प्रधानमंत्री बिहार मूल की कमला परसाद-बिसेसर के निमंतण्रपर प्रधानमंत्री मोदी इस देश की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 1999 के बाद पहली यात्रा होगी। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री का त्रिनिदाद और टोबैगो की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करना एक ऐतिहासिक क्षण होगा। यह भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं और विश्व मंच पर इसकी विचारधारा की प्रतिष्ठा को और सुदृढ़ करेगा। भारत और के बीच सांस्कृतिक और जन-जन के स्तर पर जो संबंध हैं, वह इस यात्रा का मूल आधार हैं।

अर्जेटीना (4-5 जुलाई, 2025): रणनीतिक भागीदारी का विस्तार

प्रधानमंत्री अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के निमंतप्रपर आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह यात्रा भारत और अर्जेंटीना के बीच रणनीतिक भागीदारी को बहुआयामी स्वरूप देने का प्रयास है। रक्षा, कृषि,

खनन, तेल और गैस, नवीकरणीय ऊर्जा, व्यापार और निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा और विस्तार यात्रा का केंद्र होगा।

ब्राजील (5-8 जुलाई, 2025): वैश्विक नेतृत्व में भारत की भूमिका

प्रधानमंत्री मोदी ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लुला दा सिल्वा के निमंतण्रपर ब्राजील की यात्रा पर होंगे। यहां वे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। ब्रिक्स के संदर्भ में भारत की भूमिका को वैश्विक मंच पर उभारने का अवसर प्रदान करेगी। रियो डी जेनेरियो में होने वाले इस शिखर सम्मेलन में वैश्विक शासन में सुधार, बहुपक्षवाद को सशक्त बनाना, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का जिम्मेदार उपयोग, वैश्विक स्वास्थ्य और वित्तीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा। इसके बाद प्रधानमंत्री राजकीय यात्रा पर ब्रासीलिया जाएंगे, जहां वे राष्ट्रपति लुला के साथ व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, तकनीक, कृषि और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा करेंगे।

नामीबिया (१ जुलाई, 2025): ऐतिहासिक संबंधों की पुनर्स्थापना

यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री नामीबिया गणराज्य के राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवा के निमंतण्रपर नामीबिया की यात्रा करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री न केवल राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे,

बल्कि नामीबिया के संस्थापक पिता डॉ. सैम नुजोमा को श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे। यह यात्रा भारत और नामीबिया के गहरे और बहुआयामी ऐतिहासिक संबंधों की पृष्टि करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी की यह बहुपक्षीय यात्रा भारत की विदेश नीति की नवीन सोच, व्यापक दृष्टिकोण और आत्मनिर्भर कुटनीति का उदाहरण है। यह केवल समझौतों और घोषणाओं की यात्रा नहीं है, बल्कि भारत की वैश्विक जिम्मेदारी, लोकतांत्रिक मूल्य, और वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को विश्व समुदाय के सामने प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर है। यह यात्रा दक्षिण-दक्षिण सहयोग, वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच पारस्परिकता, और भारत की एक सॉफ्ट पावर के साथ-साथ हार्ड पावर के रूप में बढ़ती भूमिका का

प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति उन देशों में हो रही है जहां भारत के साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक जुड़ाव की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। 2 से 9 जुलाई, 2025 की यह यात्रा निस्संदेह भारत के लिए एक ऐतिहासिक कूटनीतिक क्षण है, जो आने वाले वर्षो में भारत की वैश्विक नीति, आर्थिक विस्तार और सांस्कृतिक नेतृत्व को मजबूती देगा।

(लेखक मगध विवि के कुलपित और राजनीति विज्ञान के विद्वान हैं। लेख में विचार निजी हैं)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Burnt cash case: More questions are raised than answered

On the night of March 14, 2025, remnants of burnt currency were found-for which a video is available—in the outhouse of the premises allotted to Justice Yashwant Varma, then a judge of the Delhi High Court. This revelation raises serious questions which need to be answered. What was the quantum of currency that was found? Why was the currency not seized? Why was a panchnama not prepared by the Delhi Police present at the spot? Why was the outhouse not cordoned off to ensure that the scene of the incident was protected or secured? Why was the currency not preserved for inquiry and investigation? Why was an FIR not registered against unknown persons? To all these questions, the In-House Committee ("Committee") set up by the then Chief Justice of the Supreme Court provides no answers; they are otherwise unavailable. For all these questions, the Committee says that these were not within its remit. In the absence of any explanation for why the police acted as they did, the Committee concluded that since the currency was found in the outhouse of the judge's residence, it must have been placed there with the judge's tacit or active consent. The Committee consisted of two sitting Chief Justices and one judge of the High Court. It found no more than what was already available in the public domain in the form of videos recorded by the fire services department. Justice Varma had categorically stated that the currency did not belong to him and that he was not aware of who had placed it in the outhouse. The mainstream media has quoted various amounts of currency, ranging from '15 crore and beyond, in large bundles, which were found in the outhouse. The currency in the alleged quantum could not have entered the premises without the knowledge of the CRPF personnel stationed at his residence. Managing to cart large quantities of currency and placing it in the outhouse would necessarily have entailed the active involvement of several persons. No evidence to that effect was before the Committee, nor has it been alleged by anyone to date. In fact, the issue became far more serious when it was revealed that a CCTV camera was placed in a security room at the entrance, constantly monitoring ingress into the premises. This CCTV apparatus was controlled by the security personnel and not by the family. When the CCTV camera was seized, the FSL report revealed that the hard disk was blank. This constitutes a major security lapse, as it is the State's responsibility to protect the judge.

This again raises several vital questions. When did the CCTV camera stop working? Did the security personnel make any complaint in that regard? No answers are available. The Committee never investigated why such footage could not be retrieved. The person who placed the currency must have been aware that the CCTV equipment was not functioning. Surprisingly, the Committee blames the judge for not seizing and preserving the CCTV footage, assuming he knew and had control of the functioning of the CCTV. What authority did he have to seize the footage when it was never in his custody and control? The Committee proceeds on the assumption and concludes that the keys of the outhouse were under the tacit or active control of the family, even though there was ample evidence that the keys were in the possession of the staff and not the family, as reflected in a paragraph of the Committee's report. Part of the paragraph reads as follows: "50. What has further come on record in the shape of statements of witnesses No. 31, 32, 34, 35, 40, 46 and 47 is that the storeroom was occasionally locked, and the key to the lock was accessible to all of the residents of 30 Tughlak Crescent, New Delhi including the security staff and the personal staff of Justice Yashwant Varma...

India-China tango remains elusive

Onus on Beijing to rebuild relations as the 'one who ties the knot must untie it

INDIA-CHINA ties have witnessed a flurry of activity recently. Chinese Vice Foreign Minister Sun Weidong visited New Delhi on June 12-13 for talks with his Indian counterpart Foreign Secretary Vikram Misri. One of the outcomes of the discussions was the announcement that the Kailash Mansarovar Yatra would be resumed this summer. The yatra had been put on hold in the wake of the Line of Actual Control (LAC) standoff that began in the summer of 2020. Last week, in quick succession, India's NSA Ajit Doval and Defence Minister Rajnath Singh visited China for meetings of the Shanghai Cooperation Organisation (SCO), of which India has been a long-time member. The Indian leaders also had bilateral meetings with their Chinese counterparts, further adding to the impression in India that there is a reset in the difficult relationship between the two most populous countries.

The Indian media started carrying stories that the Dragon and the Elephant are dancing again. The Indian industry began to believe that imports from China would once again be easy and cheap. This narrative, when seen against the backdrop of India's Chief Economic Adviser V Anantha Nageswaran strongly arguing in favour of more foreign direct investment from China, is unfortunately leading many in India to hasty and wrong conclusions. We must keep in mind that the bilateral relationship deteriorated because Beijing sent troops to eastern Ladakh with the aim of changing the status quo on the LAC as well as to drive home the message that China was the big power in the region and that India better kowtow to it. Hence, China is entirely responsible for this recent downturn in relations. Frankly, the onus is on Beijing to make conciliatory moves to repair it. A Chinese saying puts it aptly: "The one who ties the knot must untie it."As is well known, there has been disengagement of troops in eastern Ladakh but no de-escalation of forces as yet. So, while some conditions have been met on the LAC for a better relationship, the situation is not exactly as it was before 2020.In these circumstances, a better description would be that though the Dragon and the Elephant are in the same room, they are sticking to their own individual corners, eyeing the other carefully. Not only is there no question of the two dancing with each other, there is no recognition that the other is even a potential dance partner. Furthermore, there seems to be no attraction between the two. Things become even clearer if we add to this picture the economic side of the Delhi-Beijing relationship — exports from China of rare earth magnets, so important for our nascent EV (electric vehicle) industry, have virtually been stopped over the past three months. China has reached an agreement with the US, the main target of rare earth export controls, but shipments to India have not been cleared till date, driving India's EV companies to the brink of a crisis. Now we hear of similar weaponising of specialty fertiliser exports to India. The supply of tunnel boring machines to India has been blocked by China Customs for over a year. This clearly underlines China's approach towards India. What



China really desires is that India recognise it as a great power and then dance to China's tune. This is what mandarins in India's Finance Ministry are acquiescing to when they argue for relaxations in the FDI regime for China. Yes, in the immediate aftermath of the June 2020 Galwan clash, India had banned many Chinese apps from the domestic market and also ruled that Chinese firms such as Huawei could not participate in our own 5G trials and rollout. All those were excellent steps and any rollback of them cannot be countenanced. So how should one analyse and assess the current steps? As there has been some thawing of the military situation in eastern Ladakh, although there is no return to status quo ante, repairing and rebuilding overall ties is a good measure. The careful and calibrated moves made by the Indian Government are the correct way forward. Doubtless, we have to deal with China and manage relations. However, there is no need for India to be overenthusiastic in this process. Mutual interest should be the lodestone for deciding the way forward. Mutual respect is essential if ties have to be rebuilt.At the same time, the Indian industrywill be well served if it doesn't expect everything to be hunky-dory with China in the near future. Such an outcome will be unrealistic and impractical. We in India must utilise this opportunity to manufacture here some of the products denied by China. Rare earth magnets will be a good start. The best supply chain for this product will be if it is entirely in India. Then there can be no surprises of the recent kind. The broader and more pertinent point is that we must be more ambitious about making in India. To quote a young Indian entrepreneur (not being named) who is now a start-up veteran, "We must aim at manufacturing in India for the world". It is this ambition that must fire our industry and business people. When that happens, we shall get China off our back and not be dependent on imports from

Must find internal reset for Pakistan bother at the SCO

India needs to assess why it lacks clout in the 10-member grouping that China dominates, though its relationship with the latter is on the mend. Beijing's cliche of a dance between the dragon and the elephant apart, China's tango with its client state Pakistan is the most visible at the moment

If a multilateral grouping that runs by consensus fails to find common ground, consequences follow. That is why the recent Defence Ministers' meeting of the Shanghai Cooperation Organisation (SCO) in Qingdao, China, did not issue a joint outcome statement. India had sought explicit mention of terrorism in the document, especially cross-border terror, including a reference to the April Pahalgam terror attack, where tourists were killed after religious profiling. However, "one member country", Pakistan. refused to yield. It instead sought to insert a paragraph on disturbances in Balochistan to needle India. And China, in its capacity as SCO chair, made little effort to sort out the matter. Since it was unacceptable that a

bloc founded with the primary purpose of combating terrorism omitted a reference to it, visiting Defence Minister Rajnath Singh refused to sign the outcome document. "When the main purpose of the organisation is to fight terrorism, and you are not allowing a reference to that, the outcome loses meaning," external affairs



minister S Jaishankar later said. The SCO Charter adopted in 2002—a year after China, Russia, and four Central Asian countries floated it—had resolved to make "mutual intraregional efforts to curb terrorism, separatism and extremism". In 2017, India and Pakistan joined the grouping. India needs to assess why it lacks clout in the

10-member grouping that China dominates, though its relationship with the latter is on the mend. Beijing's cliche of a dance between the dragon and the elephant apart, China's tango with its client state Pakistan is the most visible at the moment. Evolving consensus when the aggressor and the victim of terror have an equal say is tough if the latter does not have a strong counterweight. It is not without reason that India excluded SCO member states from the global outreach programme by multi-party delegations of parliament to explain its post-Pahalgam strikes on terror infrastructure in Pakistan and the refusal to give in to nuclear blackmail. India needs a balm for the Pakistan headache. It must engage with SCO but with calibrated expectations. While exposing the double

standards of those who deny cross-border terror, India must also invest more in deterrence and diplomatic assertiveness. The message should go out that multilateral organisations not calling out all variants of terror disrespect their fundamental objectives.

The silence that grew loud in me

For years now, especially as I grew older, my strongest feeling about the harassment that I faced—that every Indian girl and woman has faced—has been regret. My silence during those times was utterly wrong. I now feel I let other girls down by not shouting out loud every time I was harassed by the boys, men and unclejis of Delhi, calling them out at once and publicly shaming them

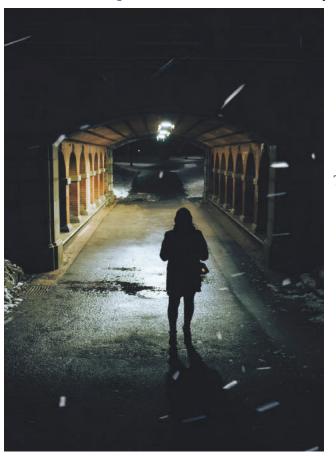
Once on a flight from somewhere to Delhi, I sat comfortably in my usual aisle seat, having long outgrown the youthful urge to sit by the window. The window seat, I had grown to realise, was strategically a bad move. This time, the middle seat beside me was empty, and I closed my eyes in relief. I looked forward to some elbow room and no threat of a possibly smelly, uncouth passenger beside me for the next two-and-a-half hours, an all-toocommon occurrence nowadays.

An argument two rows ahead made me open my eyes. A rough, unkempt man was having loud words with the air hostess about a seating mix-up. She looked at the empty seat next to mine, clearly intending to send the man there. I froze in horror. Meeting her eyes, I rolled mine and gave the faintest shake of my head. Her lips twitched slightly, and she led him away to an empty seat elsewhere. When she passed by me before take-off, I discreetly murmured, 'Thank you'. She smiled, shaking her head, as if to say, "No problem". The wonderful yet sad thing about this encounter was the instant understanding that silently passed between two Indian women, even across generations, that some men were best avoided. For years now, especially as I grew older, my strongest feeling about the harassment that I faced—that every Indian girl and woman has faced—has been regret. Regret that I had felt so sullied by the words or deeds of 'eve-teasers' that I usually pretended that nothing had happened. This was the wrong thing to do, I realised because it only

gave them the guts to harass more girls and women. My silence during those times was utterly wrong. I now feel that I let other girls down by not shouting out loud every time I was harassed by the boys, men and unclejis of Delhi, calling them out at once and publicly shaming them. The Greek word for repentance, 'metanoia', means to change one's mind and direction. It is described as 'implying a fundamental shift in perspective and attitude towards sin and God'. Good poetry expresses our feelings when we are glad, sad or sorry, and the Bible is a rich source of great poetry. The words attributed to King David come to mind, though uttered in a different context: 'Then David said to God, "I have sinned greatly by doing this. Now, I beg you, take away the guilt of your servant. I have done a very foolish thing." (1 Chronicles 21:8).

To stay silent, I feel, was cowardly and also a sin, the sin of not speaking up against wrongdoing. It fell on the wrong side of personal dharma. As 2 Corinthians 7:10 says, 'For godly grief produces a repentance that leads to salvation without regret.' Matthew 3:8 says, 'Do the things that show you really have changed your hearts and lives.'

And it's hard not to think of this: 'So whoever knows the right thing to do and fails to do it, for him it is sin' (James 4:17). But also, this verse: 'For whenever our heart condemns us, God is greater than our heart, and he knows everything.' (John 3:20). Each one of us can and must do what we can to make things better. I would like to be able to use



these words at journey's end: "I have fought the

good fight, I have finished the race, I have kept the faith." (Timothy 4:7). It would be sad to have to think, instead, of King Solomon's moving words of regret. Here, I must leave the modern versions of the Bible and return to the one I grew up with, the King James Version: "Then I looked on all the works that my hands had wrought, and on the labour that I had laboured to do: and, behold, all was vanity and vexation of spirit, and there was no profit under the sun." (Ecclesiastes 2:11).

The goal of peaceful co-existence is stated in the Book of Isaiah, which scholars say had three authors: "And he shall judge among the nations, and shall rebuke many people: and they shall beat their swords into ploughshares, and their spears into pruning hooks: nation shall not lift up sword against nation, neither shall they learn war any more" (Isaiah 2:4).For moral and spiritual encouragement on why we must school our minds to be brave and do the right thing, I also find reassurance in these words from Isaiah 54:4, partly quoted here: 'Do not be afraid; you will not be put to shame. Do not fear disgrace; you will not be humiliated. You will forget the shame of your youth'. Other encouraging words from Isaiah 41:10–13 say, "So do not fear, for I am with you; do not be dismayed ... For I am the Lord your God who takes hold of your right hand and says to you, do not fear; I will help you."

Wednesday, 02 July 2025

Indian Railways increases train ticket fares from July 1: New charges for Mail/Express trains

Kolkata. Indian Railways has raised fares in certain categories of train journeys. The Railways stated the details of the revisions in a social media post. Interestingly, Indian Railways carry more than 700 crore passengers or more than 85% of the world's population, every year, say reports. It is understandable from this single piece of statistic what a huge population will be impacted if Indian Railways hikes fares. The changes are being implemented from July 1. "Basic fare of trains will change from 1st July! Which classes will be affected? Do know before travelling," wrote the Railways in its social media post on X (@RailMinIndia). Let's find out who will be paying more from today. Reports state that the fares were last revised five years ago.

The proposed bonds have been rated AA- by both ICRA and Care Ratings, signalling a relatively stable credit outlook. This move comes at a time when more corporate giants are looking to tap the retail bond market, as investor appetite for fixed income products grows amid volatile equity markets. Are local/suburban train fares rising?

By any account, most passengers travel by suburban trains, or which are known as local trains. These trains connect important urban agglomerations with their neighbourhood and millions of passengers travel by these trains mostly to and from their places of work. There has been no change in these fares, Railways have stated. This will leave all daily passengers unaffected. There has been no change in either single journey tickets or multiple ride tickets popularly known as season or monthly tickets. Moreover, there has been no change in the fares of general trains up to

Ola Electric Sales Crash 45% In June, Market Share Plunges To 19%

New Delhi. Bhavish Aggarwal-led Ola Electric sold 20,189 electric scooters in the month of June -- a massive 45 per cent drop (year-on-year) compared to 36,859 units from the same month previous year (June 2024), the government's VAHAN data showed on Tuesday.

This decline has taken a toll on its market share, which has shrunk from 46 per cent in June 2024 to just 19 per cent now. The situation is no better on the stock market. Ola Electric, which is nearing the one-year mark since its public listing, has seen its share price fall steeplyOn Tuesday afternoon, the stock was trading at Rs 42 on the National Stock Exchange (NSE), down Rs 1.16 or 2.69 per cent.

The share also touched its 52-week low of Rs 41.82 today, far below its 52-week high of Rs 157.4.

Over the past one month, the stock has lost 21.74 per cent of its value. Compared to its listing price of Rs 76, the stock is now down 43 per cent.

The long-term view is even more worrying. In the last six months, the share price has fallen by more than half -- 51.25 per cent -- and over the past year, it is down 53.9 per cent. Investor sentiment took a further hit earlier in June when a large block deal took place. Around 14.22 crore shares worth Rs 731 crore changed hands, reportedly with Hyundai Motor Company as the seller. The average selling price was Rs 51.40 per share. On the financial side, Ola Electric has reported disappointing results for the fourth quarter (Q4) of FY25. The company posted a net loss of Rs 870 crore, which is more than double the Rs 416 crore loss it had in the same quarter of the previous year. Its revenue from operations also fell by 62 per cent year-on-year (YoY), dropping to Rs 611 crore.

This was mainly due to lower vehicle deliveries, which stood at 51,375 units in Q4 FY25 -- down from 1.15 lakh units a year ago.

Raymond Realty listing: Shares open below discovered price; brokerages still bullish on long-term prospects

New Delhi. Shares of Raymond Realty listed on the BSE at Rs 1,005 and on the NSE at Rs 1,000 on Tuesday, marking a weaker debut than the discovered price of Rs 1,039.30 on the NSE and Rs 1,031.30 on the BSE. According to ET, the listing followed the real estate arm's demerger from Raymond Ltd, giving shareholders one Raymond Realty share for every Raymond Ltd share held, thus directly exposing them to the group's property business for the first time.

Brokerages remain bullish despite the lower-thanexpected opening. As reported by ET, Ventura Securities has pegged a target price of Rs 1,383 per share based on FY28 DCF projections, while SBI Securities values the stock between Rs 897 and Rs 1,430 depending on valuation multiples.

SBI has assigned a base case fair value of Rs 1,148, assuming a 10 per cent YoY EBITDA growth in FY26 and a 13x EV/EBITDA multiple.

Raymond Realty's flagship operations are centred on a 100-acre land parcel in Thane, of which 40 acres with 4 million sq ft carpet area are under active development, holding an estimated revenue potential of Rs 9,000 crore. The remaining 60 acres will be developed over the next 6–8 years, potentially adding Rs 16,000 crore in revenue.

Combined, the Thane land bank carries a Gross Development Value (GDV) of Rs 25,000 crore.

The company has also expanded through six Joint Development Agreements (JDAs) across Mumbai in Bandra, Mahim, Sion and Wadala. The JDA portfolio is expected to generate Rs 14,000 crore in revenue, with the model allowing Raymond Realty to skip land acquisition costs and focus on execution, a strategy that keeps its balance sheet light.

Around 40–45 per cent of future revenues are expected to come from JDA projects over the next seven years, rising to 70 per cent in the long term.

Why India's ultra-rich love family offices

Number of family offices in India rose from 45 in 2018 to nearly 300 in 2024 Family offices manage investments, succession, philanthropy, and tax planning India faces \$1.3 trillion wealth transfer in next decade, boosting demand

New Delhi. India's wealthiest families are reshaping the way they manage money. No longer content with informal advisors or fragmented portfolios, the ultra-rich are increasingly embracing family offices—sophisticated, structured setups designed to navigate complexity, reduce risk, and preserve generational wealth with intent. The shift is both rapid and dramatic. From just 45 in 2018, the number of family offices in India has grown to nearly 300 by 2024. The rise reflects more than growing fortunes. It points to a more deliberate way of managing wealth—one that is professional, globally oriented, and built to outlast founders. As Surabhi Marwah, Partner and Co-Leader of Private Tax at EY India, puts it, "The Indian family office ecosystem is at an inflection point where wealth preservation alone is no longer enough. Families now seek efficiency, transparency, and global access, all of which require a more structured approach."

FAMILY OFFICES: THE NEW WEALTH COMMAND CENTRESModern family offices operate more like private financial institutions. They manage much more than investments—handling succession planning, philanthropic giving, tax structuring, and grooming the next generation of leaders. They consolidate sprawling wealth into a single, well-oiled machine, introducing discipline, governance, and oversight.

Family offices typically form at major financial milestones: the sale of a

business, a significant inheritance, or a major liquidity event. While there's no official threshold, many in the wealth management space consider US\$100 million in investable assets a practical baseline. Until then, multi-family office platforms offer an accessible, resourceefficient alternative.A recent EY-Julius Baer study identifies key motivations behind these setups: protecting assets, managing growing complexity, separating personal finances from business wealth, and addressing intergenerational needs with clarity. Notably, the model is catching on

with both legacy families and first-generation entrepreneurs. For the latter—often younger and tech-savvy—family offices offer the flexibility to build personalised investment mandates, maintain privacy, and institutionalise legacy-building from day one.

WHY INDIA'S SUPER-RICH LOVE FAMILY OFFICES

India is undergoing an intergenerational wealth transfer of historic scale—over \$1.3 trillion is expected to pass hands in the next decade. Alongside this, a surge in startup exits, IPOs, and private equity windfalls is creating new liquidity, fuelling demand for bespoke wealth management.

GIFT City is also amplifying momentum. With relaxed regulations and cross-border ease, it has become an attractive jurisdiction for setting up efficient, global-facing family offices. Outflows under the Liberalised Remittance Scheme (LRS) reached \$31.7 billion in 2023-24, up from \$18.8 billion in 2019–20.

SBI turns 70: Why bank's blue keyhole has stood the test of time

New Delhi. That familiar blue circle with a keyhole at the centre, the logo that greets millions of Indians at every street corner, turns 70 this year. State Bank of India (SBI), the country's largest and most trusted bank, marks 70 years since its formation on July 1, 1955. Over the decades, SBI has not just grown into a financial giant but has become an essential part of the nation's identity, powering homes, businesses, dreams, and livelihoods across the country.

'A Bank. A Legacy. One of the forces behind a Nation's Rise. For 70 years, SBI has been more than just a bank, it has been a partner in progress, a pillar of trust and a symbol of India's aspirations," said SBI in its tweet. With a legacy that stretches back over two centuries, SBI's journey is deeply connected with India's own economic evolution. From colonial banking to rural credit expansion, from nationalisation to digital



transformation, the bank's story mirrors the country's. THE BIRTH OF SBI

The story begins in 1806, with the establishment of the Bank of Calcutta, later renamed the Bank of Bengal. This was followed by the Bank of Bombay (1840) and Bank of Madras (1843), the three Presidency banks that laid the foundation for formal banking in British India.In 1921, these were merged to form the Imperial Bank of India, which functioned as both a commercial bank and a quasi-central bank until the Reserve Bank of India After independence, under the first 5year plan's push for rural development, the government nationalised the Imperial Bank. On July 1, 1955, the State Bank of India was born under the State Bank of India Act. Initially managed by the RBI, the central bank's stake was later transferred to the Government

of India in 2008. In 1959, SBI brought eight state-associated banks under its fold to widen its outreach across India's rural and semi-urban regions.Over the years, SBI absorbed several other banks including the Bank of Bihar, National Bank of Lahore, Bank of Cochin, and later its own associate banks like State Bank of Saurashtra and State Bank of Indore. In 2017, it consolidated its structure by merging the remaining five associate banks and Bharatiya Mahila Bank, becoming a unified and much stronger public sector entity.

8 Years of GST: Why petroleum and alcohol are still outside its scope —and what lies ahead

New Delhi. The Goods and Services Tax (GST), introduced in India on 1 July 2017, marked a significant tax reform aimed at creating a unified indirect tax system. As the nation celebrates the eight-year milestone of this ambitious yet challenging reform, several issues continue to dominate debates among industry stakeholders, the public, and policymakers. One of the most prominent concerns is the exclusion of key revenue-generating items such as petroleum products and alcoholic liquor for human consumption from the ambit of GST. This exclusion has led to a fragmented indirect taxation system, raising concerns among policy experts, businesses, and state governments.

A simple analysis of the reasons behind keeping these products outside the GST framework reveals several constitutional, economic, and legal dimensions.



Industrial output growth at 9month low of 1.2% in May

New Delhi. The country's industrial production growth slowed to a ninemonth low of 1.2% in May 2025 on the back of poor performance of manufacturing, mining and power sectors caused by the early onset of Monsoon, according to the official data released on Monday.

In the same month the previous year, factory output, measured in terms of the Index of Industrial Production (IIP), had expanded by 6.3%, the data from the National Statistics Office showed. The industrial production growth was also revised downward for April to 2.6% from the earlier estimate of 2.7% released last month. The previous low was observed in August 2024 when IIP remained unchanged. The NSO data showed the manufacturing sector's output growth fell to 2.6% in May 2025 from 5.1% in the year-ago month. Mining production

fell by 0.1% against a growth of 6.6% a year ago. Power production declined by 5.8% in May 2025 as compared to 13.7% growth in the year-ago period. Outreach, ICRA. The underlying trends



During the April-May period of FY26, industrial production surged by 1.8% compared to 5.7% a year ago.

The early onset of the monsoon doused activity in mining and the demand for electricity, with both these sub-sectors of the IIP reporting a contraction in

May 2025, amidst an anaemic growth of manufacturing," said Aditi Nayar Chief Economist, Head - Research &

based categories displaying a contraction, amid a continued high 14.1% expansion in capital goods, boosted by a low base, Nayar added. She added that the tepid industrial volume growth in the first two months of the quarter does not augur well for industrial GVA (gross value added) growth in Q1FY26.

As per use-based classification, the capital goods segment growth accelerated to 14.1% in May 2025 from 2.6% in the year-ago period. Consumer durables (or white goods production) fell by 0.7% during the reporting month against a growth of 12.6% in May

A. Constitutional and legal provisions

Article 366(12A) of the Constitution, as amended by the GST Act, excludes alcohol for human consumption from the definition of GST.

were uneven, with three of the use- For petroleum products, Entry 54 of the State List allows states to continue levying VAT on five petroleum products: crude oil, motor spirit (petrol), high-speed diesel, natural gas, and aviation turbine fuel (ATF) until a date decided by the GST Council.

B. Revenue concerns of states

States derive a significant portion of their revenue from VAT on alcohol and petroleum. For many states, these contribute over 25-30% of their tax revenue. Inclusion in GST would require sharing this revenue with the Centre, thus reducing the financial autonomy of states

C. Political and fiscal autonomy

Alcohol taxation is a politically sensitive issue with strong cultural and social implications.

States fear losing control over taxation policy, pricing, and the ability to influence consumption patterns through excise duty and VAT.

New York tops billionaire list. Which Indian city made it to the top 10

New Delhi. New York City has topped the list of cities with the highest number of World's Billionaires List. The city is home to 123 billionaires with a combined wealth of \$759 billion. New York has ranked first for most of the past 12 years, except in 2021 when Beijing briefly took the lead. Most of its ultra-rich residents are involved in finance, real estate, and retail.Globally, nearly a quarter of the world's 3,028 billionaires live in just 10 cities across six countries. These cities continue to attract wealth due to strong business ecosystems, investor-friendly policies, and thriving industries.

MUMBAI – INDIA'S BILLIONAIRE **CAPITAL**

While India is not among the top countries with the highest number of billionaires overall, Mumbai continues to lead within the country. The city ranks sixth globally with 67 billionaires worth \$349 billion. It remains the Indian city with the most number of ultra-wealthy individuals, ahead of other major metros like Delhi and Bengaluru.

However, Mumbai's position has dropped from fourth to sixth this year. This is due to the exit of two billionaires and being overtaken by London and Beijing.

billionaires, according to Forbes' 2025 Mukesh Ambani, chairman of Reliance Industries, continues to be Mumbai's and Asia's richest person with a net worth of \$92.5 billion. Despite a fall of over \$20 billion in the past year, he remains

the wealthiest person in the city. Mumbai also added six new billionaires in 2025. Four of them belong to the Doshi family: Viren, Kirit, Pankaj, and Hitesh Doshi, whose company Waaree Industries, a solar energy firm, went public in October last year. A LOOK AT THE OTHER

GLOBAL CITIES

Moscow gained the most new billionaires this year, rising to 90 individuals worth \$409 billion. Hong Kong and London also continue to be home to several

wealthy businesspeople. Beijing remains steady at fifth position with 68 billionaires.

Singapore jumped to seventh position from ninth last year, with eight new billionaires. Zhang Yiming, co-founder of ByteDance (which owns TikTok), is the

Other cities in the list like San Francisco, Shanghai, and Los Angeles also added new billionaires this year, mainly from the tech and entertainment industries.



Here are the top 10 cities in the world with the most billionaires in 2025:

New York City - 123 billionaires (\$759 billion)

Moscow – 90 billionaires (\$409 billion) Hong Kong – 72 billionaires (\$309 billion) London – 71 billionaires (\$355 billion)

richest person in Singapore with \$65.5 Beijing-68 billionaires (\$273 billion) Mumbai – 67 billionaires (\$349 billion) Singapore – 60 billionaires (\$259 billion) San Francisco – 58 billionaires (\$217

> Shanghai – 58 billionaires (\$198 billion) Los Angeles – 56 billionaires (\$243

billion)

WHAT MAKES MUMBAI ATTRACTIVE FOR THE WEALTHY

Mumbai's strong financial infrastructure, availability of capital, and presence of large family-owned businesses continue to make it the preferred city for the wealthy in India.

It is home to the Bombay Stock Exchange, National Stock Exchange, and the headquarters of many of India's top

companies.Business families like the Ambanis, Birlas, Godrejs, and Piramals have operated out of Mumbai for decades. The city is also seeing the rise of new billionaires from tech, energy, and manufacturing sectors.

Wednesday, 02 July 2025

Kerala healthcare on ventilator? Doctor's Facebook post triggers storm, and a probe

A senior Kerala doctor's Facebook post exposing shortages of "multiple The controversy has forced the equipment" at the state's oldest CPI(M)-led LDF government of Government Medical College Hospital in the capital Thiruvananthapuram has ignited a political storm, with the opposition Congress alleging the state's public health sector is on "ventilator support". Dr Haris Chirakkal, head of the Urology Department, claimed in the nowdeleted post that three of four scheduled surgeries were postponed due to a shortage of essential equipment. The allegation drew a swift rebuttal from Kerala Health Minister Veena George and the Director of Medical Education (DME), who Chirakkal said, had been informed about

Both minister George and the head of Kerala's Directorate of Medical Education, K V Vishwanathan, however, denied having any prior knowledge of the issue and cited numbers on equipment procurement, which Chirakkal dismissed

compensation: Sources

UK families of crash victims

may sue Air India, Boeing over

Agency New Delhi.

The UK-based families of the victims who died in the Air

India (AI 171) crash are considering legal action against

the airline and aircraft manufacturer Boeing in UK

courts over enhanced compensation, sources told .All

but one of the 242 passengers and crew on board the

Boeing 787 Dreamliner, and another 34 individuals

who were on the ground, were killed when the London-

bound aircraft crashed into a medical college campus

Among the deceased, 181 were Indian nationals, while 52

were from the UK.Sources said the families of the

victims were consulting with UK-based law firm

Keystone Law to file potential lawsuits against Air

India and Boeing. The lawsuits are likely to be

regarding seeking enhanced compensation. The Tata Group, which owns Air India, had previously

announced a compensation of Rs 1 crore. It later

announced an additional compensation of Rs 25 lakh each to the families to help meet immediate financial

Keystone Law has acknowledged that it was in

discussions with multiple families who lost loved ones

in one of the worst aviation disasters in India. Sources

said a series of meetings have been lined up this week

between the law firm and UK-based relatives of the

victims to chart out the strategy.

Car goes off

highway, enters

hotel in UP after

driver loses control

within seconds of takeoff in Ahmedabad.

CM Pinarayi Vijayan to launch a

TOP UROLOGIST EXPOSES SURGICAL EQUIPMENT CRISIS IN KERALA

The storm was triggered after Dr Haris Chirakkal on Friday took to Facebook to express frustration over the persistent lack of surgical equipment, which he said forced the postponement of critical

surgeries."Every department in the medical college is facing problems. Some of the purchased equipment is unusable. At present, patients are on the waiting list until August 4... The fact that many patients are paying individually and agents are collecting money has created a problematic situation. Patients are forced to buy surgical equipment," he wrote,



adding that he had been raising the issue with authorities concerned for months without resolution."If a vigilance investigation takes place, it could become a serious issue. It would portray that doctors have accepted bribes... There is a thought in me about quitting the job... I made that post because I was tired from constantly having to plead," Chirakkal

of a relative, a CPI(M) leader, following an assurance from the Health Minister's office that the issue would be addressed, reported the New Indian

Chirakkal, however, stood firm, saying, 'What I said was fact. I don't want to go into hiding after telling the truth. There are no political intentions behind my disclosure.""Let them take action. I am tired of the service. Why should we hide truths because it will bring shame to the system?" he asked, asserting that he was not afraid of any action.

BOTH CONGRESS AND BJP SLAM CPM OVER "FAILING PUBLIC HEALTH SYSTEM"

The post, though deleted later, played its role. It went viral and made the powers that be in Kerala act.Pinarayi Vijayan's CPI(M) government drew sharp criticism from the BJP and the main Opposition Congress, which seized the opportunity to

Satendar and Anil about the location of

According to the police, on the night of

multiple CNG filling stations across

his farmhouse in South

West Delhi's Ghitorni

when a man knocked on

his door posing as a

delivery boy. As soon as

he opened the gate, four

men shoved him aside and barged in, claiming

that they had guns. They

then robbed the house of

jewellery and cash,

before taking Chopra

hostage and driving him

to MG Road in Gurgaon.

They told him to stay

calm, and let them leave

earlier, adding, "They took whatever

cash and jewellery was at the house and

then took Chopra to his office at MG

Road in Gurgaon in his car to take more

Dangerous stunts outside Greater Noida college, car owners fined Rs 1.2 lakh after

Agency New Delhi.

A video showing passengers in two moving cars performing dangerous stunts outside a college in Greater Noida trended on social media Monday, prompting the traffic police to issue challans worth nearly Rs 1.2 lakh.

In the video, a Maruti Suzuki Brezza is seen overtaking another vehicle at a dangerously high speed before abruptly slamming on the brakes outside a college in the Knowledge Park area of Greater Noida. One of the passengers leans out of the window, waving his hands. Meanwhile, two men in a Maruti Suzuki Baleno are seen

speeding, with another man extending a baseball bat out of the car's window and swinging it in the air. After a 10-second video clip surfaced on social media with the background music of a trending track, the traffic police fined the owners of Baleno and Brezza Rs 63,500 and Rs 5 7 , 5 0 0 ,

respectively.Lakhan



Singh Yadav, Deputy Commissioner of Police (Traffic), said the exact date of the incident is yet to be ascertained. "We have referred the matter to the Knowledge Park police for further action, including seizure of the vehicles involved," he said. According to the police, the fines were imposed under provisions of the Motor Vehicles Act, including Section 184 (dangerous driving), Section 189 (speeding), Section 179 (disobedience and obstruction), and Section 194B (seatbelt violation).

'A case under sections 281 (rash driving) and 125 (act endangering life) of Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) was registered Monday and teams were formed to nab the suspects," said Sarvesh Singh, Station House Officer, Knowledge Park.In June, a man and a woman who performed a stunt on a moving motorcycle on the Noida-Greater Noida Expressway were penalised with a challan of Rs 53,500.

'Failed to understand decorum': Delhi High Court slams another lawyer who appears for virtual hearing from park

Agency New Delhi.

The Delhi High Court Saturday pulled up a woman lawyer who turned up for a virtual hearing from a park and reiterated that bar associations should sensitise their members about maintaining decorum while appearing in hybrid courts.

After noting the advocate, who was appearing through videoconferencing, moving around in a park while dealing with a bail petition, Justice Girish Kathpalia recorded in his order, "Some counsel has appeared through videoconferencing, using her mobile phone, while moving around in a park and on being asked, she informs that she is standing in Agra

"Despite repeated directions, certain sections of the Bar have failed to understand (the) decorum of the court. The facility of videoconferencing, which was started during (the) Covid pandemic, was extended in order to ensure that the counsel may appear through videoconferencing sitting in his/her office so that the counsel is spared of running around in different court complexes in Delhi. But this does not mean that the counsel would appear standing in a park," said Justice Kathpalia.

The court noted that similar directions had been issued earlier and sent to all bar associations across Delhi, with a request to sensitise their members, however, it appeared that this had not

In a similar incident in January, when another advocate appeared from a park, Justice Kathpalia emphasised that "hybrid courts also are courts only". He noted that advocates were not following specific directions to maintain court decorum while appearing virtually.

Two more, including former employee, arrested in Delhi CNG pump owner robbery case; Rs 6.75 lakh recovered

Agency New Delhi.

Days after the police arrested four people in connection with robbing a CNG pump owner in Delhi's Ghitorni, two In the first batch of arrests, four people June 23, Karan Chopra - who has more people were arrested in the case on Monday, including a former

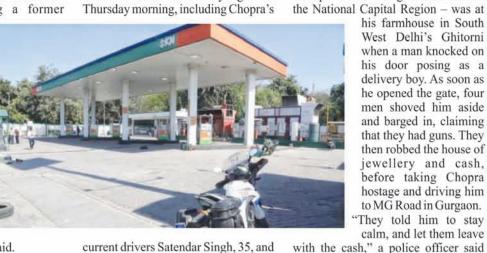
employee who was nursing an old grudge against him, the police said. The total amount recovered from the six accused so far adds up to Rs 6.75 lakh.According to investigators, after robbing Karan Chopra at his farmhouse, the robbers allegedly took him to his office in Gurgaon to steal more cash. They fled with Rs 30 lakh cash and some jewellery, officers said.

The accused arrested on Monday include the key conspirator Adhesh Kumar, 38, a former driver of the businessman; and Amit Kumar, 28, the police said,

Aura used to ferry the accused to the farmhouse was recovered from

were arrested on Wednesday night and

Thursday morning, including Chopra's



Delhi, investigators said.

current drivers Satendar Singh, 35, and Anil, 54, as well as one Santosh Tripathi, 40, and Shammi, 49. They were arrested from different parts of

adding that Rs 50,000 and a Hyundai The police said Adhesh tipped off

After a 10-year hiatus, Purana Qila's popular boat ride makes a comeback

The most has been cleaned, boats have arrived, and a ticketing counter has been set up. Almost 10 years after it was suspended, the popular boat ride on the Purana Qila lake finally made a comeback and was opened for visitors on a trial basis after the inauguration on Monday. A 20-25 minute ride costs between Rs 125 and Rs 150 per person. The ride starts from the Talaqi Darwaza side of the lake, and services are available between 9 am and 6 pm. Both two-seater and

four-seater paddle boats are available. A non-profit, Sabhyata Foundation, played a key role in the resumption of services. It serves as a 'Monument Mitra' for five iconic Delhi landmarks: the Red Fort, Purana Qila, Mehrauli Archaeological Park, Safdarjung Tomb, and Humayun's Tomb.



Monument Mitra, also known as the 'Adopt a Heritage' project, is a scheme by the Archaeological Survey of India (ASI) to involve private and public sector companies in developing and maintaining amenities at protected monuments

Ajay Verma, CEO, Heritage and Events, Sabhyata Foundation, explained that they signed an MoU with the ASI on April 1, 2024, under which they are the past four-five months, preparations were underway at Purana Qila to operate boats and related facilities. A lot of work has gone into enhancing the visitor experience, including building a cafeteria, new toilets, and other amenities, according to the non-

A major launch event is planned for September. Currently, there are five to six boats — the number is expected to increase to 20-25 later. On Monday, Ohi Pecha, a Hotel Management student from Udaipur, was the first visitor to experience the resumed service. "It was a good experience... I came with friends. We did boating for 20 minutes, but they said we could do it for as long as we wanted since we

As blasting continues unabated in Aravallis, Nuh administration lodges FIR, orders border demarcation

Mining in the Aravallis in the Gurgaon, Faridabad, and Nuh districts has been prohibited by the Supreme Court since 2002.

Agency New Delhi.

The sub-divisional magistrate of Nuh in Haryana said Tuesday they have filed a complaint, and ordered round-the-clock patrolling through a newly-established temporary police post after receiving complaints of ongoing blasting work by illegal miners at the Aravallis.

Laxmi Narayan, Sub-Divisional Magistrate, told The Indian Express he reached the site on June 27 with officials from the State Enforcement Bureau after receiving complaints from the Pathrili village. The village is located on the border of Haryana and Rajasthan. While Rajasthan allows mining via leases, all such activities have been banned in Haryana by the Supreme Court. The official said the alleged illegal miners fled with their machinery by the time the team reached, but they saw some of the trucks that had damaged substantial hillocks in the protected

Aravallis.Speaking with The Indian Express, the SDM said, "We will take strict action against all those responsible. An FIR was filed over the

weekend. I have ordered that a fresh and clear demarcation of the border be done by the mining department by erecting new pillars and signboards. We will assess and know the full damage done thereafter."

He said the First Information Report (FIR) has been filed against unknown persons under the Mines and Minerals (Development and Regulation) Act.

Mining in the Aravalli region in the Gurgaon, Faridabad, and Nuh districts has been prohibited by the Supreme Court since 2002. In May, the Supreme Court had Government's alleged inaction against illegal mining in the Aravallis in Nuh. The

taken exception to the Haryana

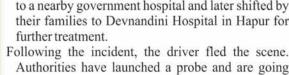


top court had noted that the mining mafia in the region seemed to be protecting the errant officials aiding the illegalities. The apex court sought a detailed report from the Haryana Government by July 15, and said it found the chief secretary's affidavit evasive and insufficient for shifting the onus to the forest department.

> n June, the Haryana Government began efforts to restore 25,000 hectares of degraded forest area in the Aravallis - long been hailed as the "lungs" of the National Capital Region (NCR).

> The Aravalli range passes through Gurgaon, Nuh, Mahendragarh, Rewari, Mahendergarh, and Charkhi Dadri districts of Haryana. Nuh has the largest recorded forest area among these, with 14,606 hectares.

The range, which extends from Southwest Gujarat in Champaner to Northeast Delhi and Haryana, acts as a natural barrier against incursion of sand, loo, and dust from the Thar desert.



the food court, people rush to the scene and are seen pulling the victims out from under the vehicle. Among the victims was Ajit, a resident of

Agency New Delhi.

At least one person died on the spot and three others were grievously injured as a Swift car, travelling at a

high speed, veered off the road and ploughed into a hotel along National Highway-9 in Uttar Pradesh's

Hapur.In the video, a man wearing a white turban

and kurta can be seen standing on a staircase with

two others in front of the food court. As they begin

walking down the stairs, a car suddenly drives up,

hitting two of the men and throwing them into the

As the car drags the bodies and comes to a stop near

air, while the third manages to dodge it.

Bulandshahr, who died instantly at the scene. Two others sustained serious injuries. Both were rushed to a nearby government hospital and later shifted by their families to Devnandini Hospital in Hapur for

Authorities have launched a probe and are going through the nearby CCTV footage to identify and take the driver into custody.

Turkish police detain cartoonist over Prophet Muhammad caricature, sparking protests

ANKARA, Turkey. Turkish police on Monday detained a cartoonist over a caricature depicting the Prophet Muhammad, an act that also sparked an angry protest outside the Istanbul office of his satirical magazine, officials and reports said.

Interior Minister Ali Yerlikaya announced on X that Leman magazine's cartoonist was taken under custody for questioning. The minister also shared a video of the cartoonist — identified only by his initials DP — being taken into custody on a stairwell, with hands cuffed behind the back. Earlier, the country's justice minister said an investigation was launched into the magazine, citing possible charges of "publicly insulting religious values." A group of youths, reportedly belonging to an Islamist group, hurled stones at Leman's headquarters after it published a cartoon depicting Prophet Muhammad and Prophet Moses exchanging greetings in mid-air as missiles rain down from the sky. Yilmaz Tunc, the justice minister, said that cartoons or drawings depicting the Prophet harmed religious sensitivities and social harmony."No freedom grants the right to make the sacred values of a belief a subject of humor in an ugly way," he wrote. The incident evoked memories of the 2015 Charlie Hebdo shootings in Paris, when two armed gunmen stormed the offices of the French satirical magazine known for its provocative cartoons, including depictions of the Prophet Muhammad. The attackers killed 12 people, including prominent cartoonists.

Thailand PM Paetongtarn Shinawatra Suspended Over A Leaked Phone Call

Thailand. Thai Prime Minister Paetongtarn Shinawatra was suspended by the country's Constitutional Court on Tuesday, as it opened a probe into her conduct in a diplomatic spat with Cambodia.

The Constitutioal Court with a majority of 7-2 suspends the respondent from Prime Ministerial duty from 1 July until the Constitutional Court has made its ruling," said a statement, after a group of conservative senators lodged a case accusing Paetongtarn of breaching ministerial ethics during a border row with Cambodia.A long-standing territorial dispute boiled over into cross-border clashes in May, killing one Cambodian soldier. When Paetongtarn called Cambodian statesman Hun Sen to discuss tensions, she called him "uncle" and referred to a Thai military commander as her "opponent", according to a leaked recording which caused a backlash. Conservative



lawmakers accuse her of kowtowing to Cambodia and undermining the military, and allege she breached constitutional provisions requiring "evident integrity" and "ethical standards" among ministers.

Why We Still Need A Cure For HIV Despite Powerful Treatments

Sydney. Over the past three decades there have been

amazing advances in treating and preventing HIV. It's now a manageable infection. A person with HIV who takes HIV medicine consistently, before their immune system declines, can expect to live almost as long as someone without HIV. The same drugs prevent transmission of the virus to sexual partners. There is still no effective HIV vaccine. But there are highly effective drugs to prevent HIV infection for people without HIV who are at higher risk of acquiring it. These drugs are known as as "preexposure prophylaxis" or PrEP. These come as a pill, which needs to be taken either daily, or "on demand" before and after risky sex. An injection that protects against HIV for six months has recently been approved in the United States.

So with such effective HIV treatment and PrEP, why are we still spending millions looking for HIV cures? Not everyone has access to these drugs

Access to HIV drugs and PrEP depends on the availability of health clinics, health professionals, and the means to supply and distribute the drugs. In some countries, this infrastructure may not be secure. For instance, earlier this year, US President Donald Trump's dissolution of the USAID foreign aid program has threatened the delivery of HIV drugs to many low-income countries. This demonstrates the fragility of current approaches to treatment and prevention. A secure, uninterrupted supply of HIV medicine is required, and without this, lives will be lost and the number of new cases of HIV will rise. Another example is the six-monthly PrEP injection just approved in the US. This drug has great potential for controlling HIV if it is made available and affordable in countries with the greatest HIV burden.But the prospect for lower-income countries accessing this expensive drug looks uncertain, even if it can be made at a fraction of its current cost, as some

researchers say. So despite the success of HIV drugs and PrEP, precarious health-care systems and high drug costs mean we can't rely on them to bring an end to the ongoing global HIV pandemic. That's why we also still need to look at other options.

Musk threatens new party as Trump says 'shut shop, go back home' amid fight over US budget bill

Musk warned he will launch the America Party the day after the bill passes and target lawmakers who back it; Trump, in a thinly veiled threat, suggested cutting funding for SpaceX and Tesla.

world. US President Donald Trump and tech billionaire Elon Musk clashed again on Monday over the proposed government spending bill, which Trump has dubbed as a "One Big Beautiful Bill." The exchange marked a fresh escalation in their bitter public feud, after Musk fell out with the US President over his objections to Trump's flagship legislation. As the bill makes its way through the US Senate, Elon sharpened his criticism, threatening to form a new political party and warning lawmakers against suporting it.

Every member of Congress who campaigned on reducing government spending and then immediately voted for the biggest debt increase in history should

lose their primary next year if it is the last thing I do on this Earth," he wrote on X.

With lawmakers set to vote on the bill, Musk accused Republicans of backing "debt slavery" and warned that his proposed political party would target those who support the legislation after campaigning to cut government spending."If this insane spending bill passes, the America Party will be formed the next day. Our country needs an alternative to the Democrat-Republican uniparty so that the people actually have a VOICE," he wrote.

"VOX POPULI VOX DEI 80% voted for a new party," he claimed.

'No more rocket launches...'

However, the remarks drew a sharp rebuttal from Trump, who said Musk may have to "go back to South Africa" without the billions in government subsidies received by his companies."Elon may get more subsidy than any human being in history, by far, and without subsidies, Elon would probably have to close up shop and head back home to South Africa," Trump wrote on Truth Social.In a thinly veiled threat, Trump also suggested cutting government support for SpaceX and Tesla — the launches, Satellites, or Electric Car Production, and our Country would save a FORTUNE. Perhaps we should have



DOGE take a good, hard, look at this? BIG MONEY TO BE SAVED!!!," he added. Musk later hit back on X, writing: "I am literally saying CUT ITALL. Now.

Trump is hoping to seal his legacy with the "One Big Beautiful Bill," which would extend his expiring first-term tax cuts at a cost of \$4.5 trillion and beef up border security.But Republicans eyeing 2026 midterm congressional elections are divided over the package, which would strip health care from millions of the

trillion to the country's debt.Musk has previously made his opinions about Trump's bill clear. Days after he left the

federal government last month with a laudatory celebration in the Oval Office, he blasted the bill as "pork-filled" and a "disgusting abomination."When Trump clapped back to say he was disappointed with Musk, back-and-forth fighting erupted and quickly escalated. Musk suggested without evidence that Trump, who spent the first part of the year as one of his closest allies, was mentioned in files related to sex abuser Jeffrey

Musk ultimately tried to make nice with the administration, saying he regretted some of his posts that "went too far." Trump responded in kind in an interview with The New York Post, saying, "Things like that happen. I don't blame him for anything."It's unclear how Musk's latest broadsides will influence the fragile peace he and the president had enjoyed in recent weeks.Musk has spent recent weeks focused on his businesses, and his political influence has waned since he left the

Netanyahu to visit White House on July 7 as Trump presses for ceasefire in Gaza

WASHINGTON. US President Donald Trump will host Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu for talks at the White House next Monday as the American leader steps up his push on the Israeli government and Hamas to

broker a ceasefire and hostage agreement and bring about an end to the war in Gaza.The impending visit was confirmed by two US administration officials who spoke on the condition of anonymity because they were not authorized to comment publicly on it. The trip will be Netanyahu's third visit to the White House since Trump returned to office in January, and it comes after the United

States inserted itself into Israel's war against Iran by attacking Iranian nuclear sites. After brokering a ceasefire between the two countries, Trump has signaled that he's turning his attention to bringing a close to the fighting between Israel and Hamas.

Trump on Friday told reporters that "we

think within the next week we're going to get a ceasefire" in Gaza, but didn't offer any further explanation for his optimism. White House press secretary Karoline Leavitt said Monday that Trump and administration officials



were in constant communication with Israeli leadership and that bringing about an end to the Gaza conflict is a priority for Trump."It's heartbreaking to see the images that have come out from both Israel and Gaza throughout this war, and the president wants to see it end," Leavitt added. "He wants to

save lives."Israeli Minister for Strategic Affairs Ron Dermer is in Washington this week for talks with senior administration officials on a Gaza ceasefire, Iran and other matters. Talks between Israel and

Hamas have repeatedly faltered over a major sticking point whether the war should end as part of any ceasefire agreement. About 50 hostages remain captive in Gaza, with less than half believed to be alive. With Netanyahu's visit, the timing of which was first reported by Axios, Trump will embrace the Israeli leader while continuing to push back against skeptical questions from Democratic lawmakers and others about how far US and Israeli strikes have set back Iran's nuclear program.

A preliminary report issued by the US Defense Intelligence Agency, meanwhile, said the strikes did significant damage to the Fordo, Natanz and Isfahan sites, but did not

Over 14 million people could die from **US** foreign aid cuts under Trump: study

PARIS. More than 14 million of the world's most vulnerable people, a third of them small children, could die because of the Trump administration's dismantling of US foreign aid, research projected on Tuesday.

The study in the prestigious Lancet journal was published as world and business leaders gather for a UN conference in Spain this week hoping to bolster the reeling aid sector. The US Agency for International Development (USAID) had provided over 40 percent of global humanitarian funding until Donald Trump returned to the White House in January.

Two weeks later, Trump's then-close advisor -- and world's richest man -- Elon Musk boasted of having put the agency "through the woodchipper." The funding cuts "risk abruptly halting -- and even reversing -- two decades of progress in health among vulnerable populations," warned study co-author Davide Rasella, a researcher at the Barcelona Institute for Global Health (ISGlobal)."For many low- and middle-income countries, the resulting shock would be comparable in scale to a global pandemic or a major armed conflict,"



he said in a statement.

Looking back over data from 133 nations, the international team of researchers estimated that USAID funding had prevented 91 million deaths in developing countries between 2001 and 2021. They also used modelling to project how funding being slashed by 83 percent -- the figure announced by the US government earlier this year -- could affect death rates. The cuts could lead to more than 14 million avoidable deaths by 2030, the projections found. That number included over 4.5 million children under the age of five -- or around 700,000 child deaths a year. For comparison, around 10 million soldiers are estimated to have been killed during World War I.Programmes supported by USAID were linked to a 15-percent decrease in deaths from all causes, the researchers found. For children under five, the drop in deaths was twice as steep at 32 percent.USAID funding was found to be particularly effective at staving off preventable deaths from disease.

Bangladesh anti-government protests: Uprising, unrest and elections

protests that culminated weeks later in the overthrow of the government.

After ruling with an iron fist for 15 years, Sheikh Hasina became the latest leader to be toppled by force since independence from Pakistan in 1971. The Muslim-majority nation of about 170 million people is now in political limbo, led by a caretaker government until elections slated for 2026.Here are five key events in the South Asian country since protesters took to the streets a year ago.

July 1, 2024: Anti-government protests -University students launch demonstrations to demand reforms to a quota system for sought-after public sector jobs. They say the scheme is used to stack the civil service with those loyal to Hasina, who won a fifth term as prime minister months earlier in a vote without genuine opposition.

DHAKA. Bangladesh on July 1 marks Hasina's rule saw widespread human Nations. Thousands of protesters one year since students launched rights abuses, including the mass storm Hasina's palace, with millions detention and extrajudicial killings of her political opponents. Deadly



violence intensifies later in July with world's second-largest garment exporter, and the industry is hit hard by the protests. Clashes escalate despite a curfew, the deployment of soldiers and an internet blackout. Up to 1,400 people are killed in the unrest, according to the United

on the streets celebrating, some dancing on armoured cars and tanks. Hasina flees Dhaka by helicopter to neighbouring ally India, as army chief General Waker-Uz-Zaman announces the military will interim form an government.Bangladesh has a long history of military coups and the army retains a powerful role. Nobel Peace Prize winner Muhammad Yunus returns to Bangladesh at the behest of student protesters to lead the

government as its "chief adviser". police opening fire.Bangladesh is the Yunus says he inherited a "completely broken down" system of public administration. The 85-year-old microfinance pioneer embarks on an ambitious programme to overhaul democratic institutions that he says are required to prevent a return to

UK's Starmer faces down revolt over welfare reform after troubled first year in office

LONDON. British Prime Minister Keir Starmer marks a year in office this week, fighting a rebellion from his own party over welfare reform and reckoning with a sluggish economy and rock-bottom approval ratings. It's a long way from the landslide election victory he won on July 4, 2024, when Starmer's center-left Labour Party took 412 of the 650 seats in the House Rebellion over welfare reform of Commons to end 14 years of Conservative government.In the last 12 months Starmer has navigated the rapids of a turbulent world, winning praise for rallying international support for Ukraine and persuading US President Donald Trump to sign a trade deal easing tariffs on UK goods.But at home his agenda has run onto the rocks as he struggles to convince British voters — and his own party — that his government is delivering the change that it promised. Inflation remains After more than 120 Labour lawmakers said stubbornly high and economic growth low, frustrating efforts to ease the cost of living. Starmer's personal approval ratings are

approaching those of Conservative Prime Minister Liz Truss, who lasted just 49 days in office in 2022 after her tax-cutting budget roiled the economy. John Curtice, a political scientist at the University of Strathclyde, said Starmer has had "the worst start for any newly elected prime minister.'

On Tuesday, Starmer faces a vote in Parliament on welfare spending after watering down planned cuts to disability benefits that caused consternation from Labour lawmakers. Many balked at plans to raise the threshold for the payments by requiring a more severe physical or mental disability, a move the Institute for Fiscal Studies think tank estimated would cut the income of 3.2 million people by

they would vote against the bill, the government offered concessions, including a guarantee that no one currently getting

benefits will be affected by the change. It pledged to consult with disability groups about the changes, and do more to help sick Last week, Starmer announced a national



and disabled people find jobs. Some rebels said they would back the bill after the concessions, but others maintained their opposition. Aritifical Inteligence usesAritifical Inteligence uses

The welfare U-turn is the third time in a few weeks that the government has reversed course on a policy under pressure. In May, it dropped a plan to end winter home heating subsidies for millions of retirees.

inquiry into organized child sexual abuse, something he was pressured to do by opposition politicians — and Elon

'It's a failure of leadership for a prime minister with such a big majority to not be able to get their agenda through," said Rob Ford, professor of politics at the University of Manchester. "I can't think of many examples of a prime minister in postwar politics suffering such a big setback when presiding over such a strong position in the Commons."It also makes it harder for the government to find money to invest in public services without raising taxes. The government estimated the welfare reforms would save 5 billion pounds (\$7 billion) a year from a welfare bill that has ballooned since the COVID-19 pandemic. After the concessions, it's only likely to save about half that amount.

www.thephotonnews.com Wednesday, 02 July 2025

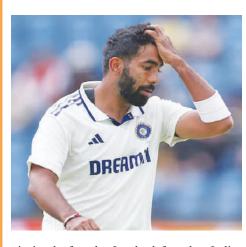
Bored of winning, para-javelin star Sumit **India's Bumrah puzzle: Pundits add** Antil tests limits in able-bodied meets

to selection drama before **Birmingham Test** New Delhi. India head into the second Test against England in Birmingham with a

major selection dilemma. The young side, led by Shubman Gill, exceeded expectations with the bat, but the bowling group failed to contain a fiery England line-up. Despite scoring over 800 runs across two innings, India lost the first Test by five wickets.

Changes seem inevitable, but the big question remains: can India afford to rest Jasprit Bumrah for the second Test, especially after the lacklustre performances of the rest of the bowling attack in Leeds? Ahead of the series, India made a contentious call by publicly announcing that Bumrah would only play three of the five Tests, in line with workload management plans.

When India's battin unit delivered in the series opener, they would have hoped to capitalise and take a 1-0 lead. Resting Bumrah after a strong start might have made sense then, but the situation has changed drastically. Now, India risk not having their premier bowler available at a time they need an immediate counterpunch. Head coach Gautam Gambhir



insisted after the Leeds defeat that India wouldn't alter their plans of limiting Bumrah to three Tests.Addressing the media on Monday in Birmingham, assistant coach Ryan ten Doeschate maintained the suspense, saying a decision on Bumrah's inclusion would be taken closer to the second Test, which begins on Wednesday, 2 July. However, he did confirm that Bumrah is feeling fit and ready if called upon, especially after an eight-day break.

HOPE BUMRAH PLAYS: RAVI SHASTRI Former head coach Ravi Shastri stressed the importance of a quick response and expressed hope that Bumrah would take the field at Edgbaston

'Now, whether Bumrah plays or doesn't play, one doesn't know. But let's hope he does because this is a very important Test match and all is not lost," Shastri told the ICC.

Akash Deep offers Shami-like threat, should replace Bumrah if needed: Irfan Pathan

New Delhi. Former India cricketer Irfan is rested for the second Test against England at Birmingham, the team management should consider bringing in Akash Deep as his replacement. According to Pathan, the Bengal-based pacer poses a threat similar to that of Mohammed Shami. Speaking on his YouTube channel, Irfan outlined why Akash Deep deserves consideration for the



upcoming Test. Despite a strong batting performance in the first match, featuring twin centuries from Rishabh Pant and firstinnings tons from Shubman Gill and Yashasvi Jaiswal, India fell short, losing by five wickets. The Indian bowling unit came under heavy criticism, with all bowlers barring Jasprit Bumrah struggling to find consistent lengths and restrict England's scoring. Heading into the second Test, it remains to be seen whether Bumrah will be cleared to play, as the team management remains cautious about managing his workload following his injury post the Border-Gavaskar Trophy.If Bumrah is unavailable, Irfan believes Akash Deep

would be a worthy replacement. "If Bumrah is not there, then who should come into the side in his place? Akash Deep, from what's been seen in the nets, seems to be getting into his rhythm. I feel that he is the Shami mould type of bowler," Irfan commented.He added that Akash Deep's bowling style, focused more on seam and swing, could be more effective in English conditions compared to the hit-the-deck approach of bowlers like Mohammed Siraj or Prasidh Krishna. His straight seam deliveries, in particular, could generate late movement, making it tough for England's aggressive batting line-up."His straight seam deliveries can trouble the England batters, especially when it comes to late movement. If you are going aggressive, this could be a problem. We will come to Arshdeep, but I think if Bumrah is not playing, then it should be Akash Deep who should come in his place," he added.

- **Sumit Antil said he is keen on** competing in more able-bodied meets
- The para-javelin star competed in a top-tier able-bodied meet in
- **→** Sumit became the first Indian to defend his Paralympics javelin gold last year

New Delhi. I'll tell you frankly, I am a bit bored. I am not getting the push from parajavelin anymore," a candid Sumit Antil admitted. A two-time Paralympic champion and the current world record holder in the men's F64 discipline, Sumit has consistently stayed far ahead of the curve compared to his competitors. Not only does he hold back-toback Paralympic golds, but he has also dominated the para-javelin circuit globally, winning comfortably in both Asian and world competitions.For Sumit, however, this creates a unique dilemma: where does he go from here? How does he continue to stay motivated — to wake up every morning, endure a rigorous training routine, and compete in events he is almost certain to win? Sources close to Sumit Antil told IndiaToday.in that, due to the lack of competition, he no longer feels challenged — a situation

that has led to a plateau in his performances since 2023.

Since breaking the world record with a throw of 73.29m at the 2023 Asian Para Games, Sumit has not improved on that mark in nearly two years. And that becomes a problem for an athlete who has openly spoken about breaching the 80-metre barrier a milestone never before achieved in the para-javelin discipline. It's not that he's stopped winning. At his most recent event in Nottwil, Sumit won gold with a throw of



72.35m. But those victories no longer fuel his fire. As a result, Sumit has taken matters into his own hands. Casting aside hesitation and the limitations often imposed on paraathletes, he has gone out of his way to participate in an able-bodied competition. Sumit competed in the AtletiCAGeneve meet — a bronze-tier event on the World Athletics calendar. The aim was to test himself against able-bodied competitors who regularly throw farther than he does. It was unfamiliar territory, but Sumit

embraced the challenge, both physically and mentally."I found a line that I need to cross. There are some things that one athlete can only learn from watching another athlete. I realised in Geneva that I was lacking in technique and that was the whole reason behind participating in Geneva. I went there to learn, and I understood the deficiencies that I have and only that can help me better myself in the para-world championships," Sumit said in an interview facilitated by Sun Pharma, adding he was also

invited to compete in Saturday's Neeraj Chopra Classic.In his mind, Sumit is very clear about the path he wants to pursue. His ambition goes beyond winning medals he's focused on breaking the elusive 80-

Competing with them was an inspiring thing for me as well, as my dream is not gold, but to throw 80m plus, which is considered as an impossible feat for any para-athlete in javelin," he shared, offering a glimpse into

Carlos Alcaraz felt Centre Court nerves after 1st round scare: Was struggling a bit

Carlos Alcaraz hiahliahted that the weight of the occasion got to him during the first-round clash against Fabio Fognini which may have been a bit too close for comfort for the two-time champion.

New Delhi. Carlos Alcaraz admitted to feeling nervous during his first-round match against Fabio Fognini on Monday, 30 June. The opening match, played on the prestigious Centre Court, saw the two-time Wimbledon champion pushed to a fifth set before the Spaniard found his rhythm and secured the win. Having won the coveted All England Club title in the last two editions, many had expected Alcaraz to ease past the 38-year-old İtalian. However, Fognini put up a strong fight and pushed the champion hard, though he ultimately came up short.Alcaraz revealed that, despite being an experienced player, he still felt nervous, almost as if he was stepping onto the court for the first time. He clarified that it wasn't

due to a lack of preparation, but rather the weight of the occasion."It felt like it was the first time. Wimbledon is different. It doesn't matter, the winning streak I have right now, that I've been playing great on grass, that I have been preparing well the week before,"



Alcaraz told reporters after the match. "I could feel today that I was nervous in the beginning. Being the first match on Centre Court, it's a huge privilege for me, even though I played the first match. I try to deal with the nerves in the best way possible. I was struggling a little bit ... But it was great. It's a big honour to start the tournament there

on Centre Court," he added. ALCARAZ IS NOT TAKING ANYONE LIGHTLY

While some might have expected a dominant showing against Fognini, Alcaraz could well shift into a higher gear in the second round, where he is set to face British qualifier Oliver Tarvet. Given Tarvet's ranking in the 700s, the defending champion is widely tipped to win comfortably.

But Alcaraz isn't buying into that narrative. He insists on treating every opponent with respect, regardless of their ranking, and plans to bring his best tennis each time he

'If he's here, he's in the second round; it's because he deserves it. He's playing great tennis. I don't have to think like I'm going to win easily. I have to have respect for him. Playing or trying to play my best, step on the court thinking that if I don't play my best, I can lose," he said. "I've seen him play, and he has a good level. Even though he's not playing professionally or has just played his first tour-level match, it doesn't matter. I have to think that it's going to be a really tough match. It's going to be a difficult one I have to be ready for, and I'm trying to play my best without thinking about the ranking and anything else," he added.

Rishabh Pant, Digvesh Rathi among 10 IPL players to feature in Delhi **Premier League auction**

New Delhi. India wicketkeeper-batter Rishabh Pant is among 10 Indian Premier League stars set to be auctioned in the Delhi Premier League. Pant will have competition from rising IPL stars Priyansh Arya and Digvesh Rathi among others in the auction, set to be held on July 6 and 7 in New Delhi.

The men's auction is scheduled for 6th July, followed by the women's auction on 7th July, as the DPL continues its commitment to gender-inclusive representation in sport. The Delhi & District Cricket Association (DDCA) on Tuesday, July 1, also announced the addition of two new men's franchises to the DPL, as the tournament gears up for its muchanticipated second season. The expansion increases the number of men's teams in the league from six to eight, marking another significant milestone in the league's rapid rise as a premier domestic T20 tournament. The Outer Delhi franchise was secured for Rs 10.6



crore by a consortium led by Savita Paints Private Limited. The New Delhi franchise was acquired for Rs 9.2 crore by a consortium of Bheema Tolling and Traffic Solutions Private Limited and Crayon Advertising Limited.

The two new teams will join the six existing franchises — Central Delhi Kings, East Delhi Riders, North Delhi Strikers, Purani Dilli 6, South Delhi Superstarz, and West Delhi Lions — for the 2025 edition of the tournament.

Ishant Sharma, Ayush Badoni, Harshit Rana, Himmat Singh, Suyash Sharma, Mayank Yadav, and Anuj Rawat are also set to be auctioned on July 6. Speaking on the return of the DPL, DDCA President Mr. Rohan Jaitley said, "The Delhi Premier League is more than just a tournament — it is a celebration of the Capital's deep-rooted cricketing culture. The kind of talent we saw in Season 1 was truly promising, and with this expansion, we are giving even more players a stage to shine. Talents like Priyansh Arya, Digvesh Rathi, and more emerged through DPL and showcased their brilliance during IPL 2025, proving the league's value as a true breeding ground for

Club World Cup: Al-Hilal stun Manchester City, UCL finalists Inter Milan crash out

New Delhi. It was a shocking day for European football as both Manchester City and Inter Milan crashed out in the round of 16 stages of the FIFA Club World Cup on Tuesday, July 1. Pep Guardiola's side were taken down by Simone Inzaghi's Al-Hilal thanks to a stoppage-time winner by Kalidou Koulibaly. Fluminense, the Brazilian giants, took down Inter with a convincing 2-0 win.Al-Hilal produced a magical peformance in the second half, where a brace by Marcos Leonardo alongside goals from Malcom and Kalidou Kouilbaly ensured that they kept the Premier League giants at bay, who had the lead at the end of the first 45 minutes.Bernardo Silva gave City the opening goal in the ninth minute, and they went on to control the game for the first half.But the second half saw Leonardo get the equaliser in the 46th minute while Malcom gave the Saudi Arabian side the

lead. Guardiola looked to reinforce his side's defence with substitutions, bringing in the likes of Rodri, Nathan Ake and Manuel Akanji. The fresh legs ensured that City got



the equaliser as Erling Haaland found the back of the net to keep the Premier League in the contest. Both sides went on to make all five of their substitutions, but the match went on to extra time. Neither side looked to back down as Koulibaly's header gave them the lead again via a brilliant corner kick by Ruben Neves.

The lead was short-lived as Rayan Cherki picked out Phil Foden, making the run into the box, which the Englishman Apart from Rishabh, Digvesh and Priyansh, went on to finish in style to give City the equaliser once again. The two sides were neck and neck until the end of the first half of extra time.

Leonardo once again found the back of the net thanks to a timely finish to ensure the Saudi-based side sealed a historic win. FLUMINENSE TAKE DOWN UCL FINALISTS

Inter looked far from their best as Fluminense put up a brilliant performance to continue the impressive run of performances by Brazilian sides in the competitionThey extended their lead thanks to a fine finish by Hercules to ensure they went on to take the win.

ENG vs IND: Why Yashasvi Jaiswal was relieved of slip duties ahead of Edgbaston Test

England vs India: During India's intense fielding drills on Monday in Birmingham, young opener Yashasvi Jaiswal was a notable absentee in the slip cordon and in the gully region. The opener dropped as many as four catches in the first Test that India lost by five wickets.

New Delhi. Young India opener Yashasvi Jaiswal was conspicuously absent from the slip cordon as the team trained on Monday, two days ahead of the second Test of the Anderson-Tendulkar Trophy in Birmingham. Jaiswal, who put down as many as four catches in the first Test in Leeds, was removed from the hotspot while fielding coach T Dilip oversaw a slip-catching routine during an intense session at Edgbaston on a scorching afternoon.Karun Nair, Shubman Gill, and KL Rahul took part in the slip-catching drills. Sai Sudharsan and Nitish Kumar Reddy also joined in, but there was no sign of Jaiswal. Instead, the left-hander was seen working with assistant coach Ryan ten Doeschate, honing his reflexes at short leg and leg slip positions— crouching low and getting into close-in catching positions.India's fielding unit has come under scrutiny after dropping six chances in Leeds. Their poor catching effort allowed England to erase India's firstinnings advantage and trail by just six runs.



Jaiswal was the main culprit, grassing four opportunities — three off Jasprit Bumrah's bowling. Speaking to the press on Monday in TWO SPINNERS IN BIRMINGHAM? Birmingham, assistant coach Ten Doeschate Ten Doeschate hinted that India may be confirmed the coaching staff's decision to relieve Jaiswal of slip duties to protect his confidence."We always want depth in the catching department. In England, you're always going to have four catchers at some stage in the game. Yashasvi has been a very good catcher for us," said Ten

Doeschate."Maybe just give Yashasvi a break from catching in the gully for a little while. His hands are quite sore. We want to get his confidence back up."In Leeds, the ball seemed magnetised to Jaiswal. Stationed at gully and occasionally fourth slip, he shelled three catches — all proving costly as England went on to post 465 in reply to India's 471.In England's second innings, Jaiswal dropped a regulation chance at deep fine leg, reprieving Ben Duckett on 97. The lefthander capitalised, scoring a matchwinning 149.

preparing for a spin-heavy attack in Birmingham, which would reuire reliable close-in catchers"There's also an argument for short leg being a very important position, particularly if we are going to play two spinners.

On Fatima Sana Shaikh's Beach Vacation Pics, Ira Khan's Comment A Winner



atima Sana Sheikh is giving us all the vacation vibes we need right now! The Metro... In Dino actress jetted off to Sri Lanka for a much-needed break from her busy schedule, and her beach photos are absolutely stunning. Can you imagine golden sand, crashing waves, and Fatima rocking a gorgeous blue bikini, soaking up the sun like a total queen? This is exactly what her latest Instagram post is all about. Fatima shared a series of sun-kissed snaps on social media, and fans can't stop raving about her radiant energy. Whether she's chilling in the pool or having her favourite food, her posts scream carefree summer vibes. Sharing these photos on Instagram, she wrote, "as CHOTTI chotti khushiyan Aditi Sagar (a popular Indian singer) ke saath"

It's no wonder her friends and followers are flooding the comments with heart emojis and praise. Ira Khan, Aamir Khan's daughter, also sent love with her adorable reaction. Meanwhile, one of the fan comments read, "Amazing Fatima (sin) seems like you had a great time in Sri Lanka, hope to see Bijlee also." Another fan added, "Love you more than anything else."

Furthermore, Fatima Sana Shaikh, who is awaiting the July release of Metro... In Dino and Aap Jaisa Koi, recently found herself at the centre of dating rumours with co-star Vijay Varma. But at the trailer launch of Aap Jaisa Koi on Wednesday, she shut down the speculation.

When questioned if she found someone ideal for her, she responded, "Acche ladke hai hi nai yaar... Koi bhi nahi hai (meri life mein) Filmon mein acche hote hai." She also confirmed her single status.

The Dangal actress also opened up about the premise of the film, which is equality in love. She expressed, "The idea of equality of love is where two people respect each other, and they will listen to each other and won't deny it. I think that is an equal relationship now, and compromises need to be made by both."Fatima Sana Shaikh is also eagerly awaiting the release of her upcoming film Metro In Dino. The highly anticipated multi-starrer is set to hit theatres on July 4th.

Kajol Uses Just One Word For Shah Rukh Khan And It Says Everything



hah Rukh Khan and Kajol are one of Bollywood's most beloved on-screen duos. From Baazigar to Dilwale, the pair's chemistry has captivated audiences for decades. Their enduring friendship off-screen also speaks volumes about the genuine camaraderie they share in the film industry.

During a chat with Mashable India, the Dilwale Dulhania Le Jayenge actress was seen reflecting on her co-star. During the fun interview titled The Bombay Journey, fans witnessed Kajol being candid about her friendship with Shah Rukh Khan. During the rapid-fire round, when the interviewer asked Kajol to describe SRK in one word, the actress said, "Shah Rukh is an expression."

Complimenting her co-star on his work ethic and dedication, Kajol further said, "Whenever we meet, I think that he is doing some amazing work. I love the fact that Shah Rukh is one of the people who reinvents himself so amazingly time and time again."The actress added that Shah Rukh Khan is one of the hardest-working people that she has ever

Shah Rukh Khan and Kajol first shared the screen in Baazigar, a film where SRK gained widespread acclaim for his portrayal of a morally grey character. Over the years, their iconic on-screen chemistry in films like Dilwale Dulhania Le Jayenge, Kabhi Khushi Kabhie Gham, Kuch Kuch Hota Hai, My Name Is Khan, and Dilwale has made them one of Bollywood's most beloved duos. In a previous interview with, the pair were asked if they would have dated each other had they been single at the

Kajol responded candidly, saying, "I honestly don't know because I think I was already seeing Ajay at that point in time when we were six months into Baazigar." Shah Rukh Khan replied to the question with his usual wit as he noted, "I was also seeing Ajay at that time.

"Shah Rukh Khan was last seen in Rajkumar Hirani's Dunki, which turned out to be a commercial success. He is now gearing up for his next project, King, an action thriller directed by Siddharth Anand. The film reportedly features his daughter Suhana Khan and actor Abhishek Bachchan in significant roles.

Kajol, meanwhile, was last seen in Vishal Furia's horror thriller Maa, which released on June 27, 2025.



For 'Little Joys, Goofy Stories',

Joins Snapchat

ashmika Mandanna has been ruling both the box office and social media lately. The actress who keeps her fans hooked via engaging social media posts has now made her debut on Snapchat. To keep in touch with her admirers, she posted a video on Instagram stories, sharing the super exciting news with them. Rashmika also shared her Snapchat ID with fans.

In the video, Rashmika Mandanna is heard saying, "Hi guys! Well, you know that I've always wanted a space where I can be a little more raw, a little more real, and now I'm here on Snapchat. Time to share all the

behind-the-scenes, little joys, the goofy stuff, and everything in between, even before my social media team does. If you're watching this, thank you so much."

She added, "You have been with me through literally everything so far, and I can't wait to take you along on even more. See you all soon, my loves. L o a d s o f love." Along with the clip, Rashmika

wrote, "Guess who's finally on Snapchat??? Yup, meeee!! See you on the snap side."

Rashmika Mandanna has been keeping busy since the beginning of the year, with back-to-back releases making it to theatres. She kicked off the streak with Chhaava, starring Vicky Kaushal in the lead role. One of the highest-grossing films of the year, the period drama received a positive response. Next, she was seen alongside Salman Khan in Sikandar. Although not a blockbuster, the action drama raked in a decent amount. As for her last big screen appearance, she joined hands with Dhanush in Kuberaa, directed by Sekhar Kammula.

The movie, produced by Sree Venkateswara Cinemas LLP and Amigos Creations, also stars Nagarjuna, Jim Sarbh and Dalip Tahil. It was released in theatres worldwide on June 20.

Recently, she announced her new Pan-India film. Titled Mysaa, the movie's first poster shows a blood-smeared Rashmika with a sword. Her fierce avatar went viral within no time, making her a subject of discussion on the Internet. Additionally, Rashmika has Thama with Ayushmann Khurrana scheduled to release later this year.



Sara Ali Khan

Aditya Roy Kapur Enjoy Metro Ride, Click Selfies With Fans

ara Ali Khan and Aditya Roy Kapur are gearing up for the release of their upcoming film 'Metro...In Dino,' directed by Anurag Basu. They have been promoting the film in full swing, and as part of the promotional campaign, were spotted taking a metro ride in Mumbai. Several pictures and videos of the actors riding happily in a metro have gone viral on social media. A video shared by paparazzo Sneh Zala shows Aditya Roy Kapur and Sara Ali Khan seated next to each other in the metro. Aditya was seen clicking a selfie with Sara, and they were all smiles! Soon after, they were approached by a fan for a picture, and the actors happily obliged. Sara looked stunning in a chic navy-blue co-ord set featuring a sleeveless crop top and matching trousers. Aditya, on the other hand, looked dapper in a navy and white striped collared shirt paired with blue pants. Check out the video below!

Meanwhile, before this, they were busy promoting Metro...In Dino in Kolkata. After relishing authentic



Bengali cuisine at former cricketer Sourav Ganguly's house, the duo stopped for some photos together. In the pictures, Sara Ali Khan and Aditya Roy Kapur were seen sitting atop Kolkata's signature yellow taxi ahead of Metro... In Dino release. In the photo, Sara held Aditya close to her, resting her head on his shoulders. Their fans, at once, sprung to action and adored this new on-screen couple in town.

Last week, the star cast of Anurag Basu's film

graced the album

l a u n c h o f Metro...In Dino. Aditya Roy Kapur showcased his singing talent by singing 'Ishq Hai Ya Tharak', one of the songs from the film's album. The video went viral, with fans praising his singing talent.

Earlier, Aditya shared that while he has sung privately for his friends, this marks his official singing debut in a film. The decision to sing happened naturally due to the musical format of the film, and it turned out well, offering fans a fresh experience of seeing him sing on screen.

Directed by Anurag Basu, 'Metro...In Dino' features an ensemble cast including Aditya Roy Kapur, Sara Ali Khan, Pankaj Tripathi, Neena Gupta, Konkona Sensharma, Anupam Kher, Fatima Sana Shaikh, Ali Fazal, and Saswata Chatterjee. The film will release in cinemas on July 4, 2025.

